वैशाख कृष्ण पक्ष- प्रतिपदा, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 267 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल
03 अप्रैल 2026 शुक्रवार

दोपहर मेट्रो

बेबाक खबर हर दोपहर

आज का मौसम
36.2 अधिकतम
21.0 न्यूनतम

झुकने को तैयार नहीं ईरान... कहा - बातचीत के लिए मजबूर नहीं कर सकते

जंग के बीच अमेरिका के आर्मी चीफ की छुट्टी, रिटायरमेंट लेने को कहा

ट्रम्प बोले- ईरान से डील नहीं हुई तो उप राष्ट्रपति वेन्स होंगे जिम्मेदार

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। एजेंसी

अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने जंग के बीच आर्मी चीफ ऑफ स्टाफ जनरल रैंडी जॉर्ज के अलावा दो और वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों को भी पद से हटाने का फैसला किया है। यह जानकारी अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स में सामने आई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, हटाए गए अफसरों में आर्मी के ट्रांसफॉर्मेशन एंड ट्रेनिंग कमांड के चीफ जनरल डेविड होडने और आर्मी के चैपलिन कॉर्प्स के चीफ जनरल विलियम ग्रीन जूनियर शामिल हैं।

खबरों के अनुसार युद्ध की स्थिति को देखते हुए अमेरिकी सेना में यह उच्च स्तरीय फेरबदल किया गया है। आर्मी चीफ ऑफ स्टाफ रैंडी जॉर्ज को रिटायरमेंट लेने के लिए कह दिया गया है। पेंटागन ने इसकी पुष्टि की, लेकिन इस फैसले के पीछे कोई स्पष्ट कारण नहीं बताया गया है। जनरल रैंडी जॉर्ज अगस्त 2023 से सेना प्रमुख के पद पर थे और उनका कार्यकाल सामान्य तौर पर चार साल का होता है, लेकिन उन्हें बीच में ही हटाया गया।

दूसरी ओर राष्ट्रपति ट्रम्प ने ईरान से समझौते को लेकर कहा, 'अगर यह डील नहीं हुई, तो मैं उपराष्ट्रपति जेडी वैंस को दोषी ठहराऊंगा। अगर यह हो जाती है, तो मैं इसका पूरा क्रेडिट लूंगा।' ट्रम्प ने यह बात व्हाइट हाउस में आयोजित इस्टर लंच के दौरान मजाक करते हुए कहा। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बहरीन के प्रस्ताव पर आज होने वाली वोटिंग कल के लिए टाल दी गई है। इस प्रस्ताव में देशों को होर्मुज से जहाजों की सुरक्षित निकासी के जरूरी सभी कदम उठाने की अनुमति देने की बात कही गई है।

ईरान में मिडिल ईस्ट के सबसे बड़ा पुल पर अमेरिका ने बमबारी की जिसमें आठ नागरिकों की मौत हो गई और 95 घायल हो गए। सैन्य कार्रवाई में करज में स्थित बी-1 पुल को निशाना बनाया गया, जिसके बाद आसपास के क्षेत्र के लोग भारी संख्या में हताहत हुए।

दूसरा अमेरिकी एफ-35 लड़ाकू विमान गिराने का दावा

ईरान ने दावा किया है कि उसने एक और अमेरिकी एफ-35 को मार गिराया है। यह जानकारी इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स से जुड़े फार्स न्यूज एजेंसी के टेलीग्राम पोस्ट में दी गई। दावे के मुताबिक, यह लड़ाकू विमान ईरान के ऊपर उड़ान भर रहा था, तभी उसे निशाना बनाकर गिराया गया। बताया गया कि विमान पूरी तरह नष्ट हो गया और उसमें मौजूद पायलट के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। ईरान की मेहर न्यूज एजेंसी ने भी कहा कि तेज धमाके के कारण पायलट के सुरक्षित बाहर निकल पाने की संभावना बहुत कम है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने इस दावे पर तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है ।

पुतिन बोले- शांति के लिए हर संभव मदद को तैयार

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि खाड़ी क्षेत्र में शांति लाने के लिए हर संभव मदद करने को तैयार है। पुतिन ने यह बात मिस्र के विदेश मंत्री बद्र अब्देलअती के साथ क्रेमलिन में हुई बैठक के दौरान कही। उन्होंने कहा कि मिडिल ईस्ट में मौजूदा स्थिति दोनों देशों के लिए चिंता की बात है। पुतिन ने उम्मीद जताई कि जंग जल्द खत्म हो जाएगी।

'नॉन-अमेरिकन ब्लॉक' ही रोक सकता है ईरान की जंग, भारत की भूमिका अहम्

ईरान और उसके साथ मध्य-पूर्व में छिड़ी जंग ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि आधुनिक युद्ध सिर्फ हथियारों से नहीं, बल्कि विश्वसनीयता, कूटनीति और नैरेटिव से जीते जाते हैं। सवाल यह नहीं कि कौन ताकतवर है, बल्कि यह है कि किसकी बात सुनी जाएगी। इस कसौटी पर अमेरिका पिछड़ता नजर आ रहा है। ऐसे में सवाल यही उठता है कि इस जंग को भला कौन रोकेगा? ब्रिटेन के प्रधान मंत्री कीर स्टॉर्मर और उनके साथ जुड़ रहे अमेरिका की जंग की रणनीति से अहसमत यूरोपीय देश या फिर भारत और उसके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी? दोनों को मिलाकर समीकरण परवान चढ़ता है तो ही जंग का खात्मा मुमकिन है।

वॉर एनालिसिस
राजेश सिरोठिया

ईरान भी शायद गैर अमेरिकी देशों के इस गठजोड़ की बात को मान ले। डोनाल्ड ट्रम्प की रणनीति में सबसे बड़ी कमजोरी उनके एक ही बयान में दो विरोधाभासी बातें हैं। उनका यह कहना कि हम जंग जीत चुके हैं लेकिन साथ में यह धमकी भी देना कि ईरान को वह अगले दो-तीन हफ्तों में पाषाण युग में धकेल देंगे। यह विरोधाभास न केवल वैश्विक समुदाय को भ्रमित करता है, बल्कि अमेरिका की कूटनीतिक साख को भी कमजोर करता है। सवाल यही है कि जब जंग जीतने का दावा दमदार है तो फिर आगे उसे जारी रखने की क्या तुक है? ट्रम्प के उलट ईरानी रणनीति पर गौर करें तो वह नियंत्रित और कैलिब्रेटेड है। उसने सीधे व्यापक युद्ध के बजाय रणनीतिक और सुनियोजित दवाब की नीति अपनाई है। होर्मुज की खाड़ी में खड़ा किया गतिरोध इसका जीता जागता उदाहरण है।

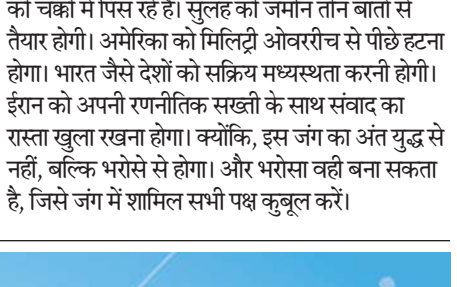

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज सिर्फ समुद्री रास्ता नहीं, बल्कि वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति की धुरी है। यहां किसी भी प्रकार का व्यवधान दुनिया की अर्थव्यवस्था को सीधे प्रभावित करता है। ईरान ने इसे युद्ध का हथियार नहीं, बल्कि नेगोशिएशन टूल या सौदेबाजी का हथियार बनाया है। यह उसकी रणनीतिक परिपक्वता को दर्शाता है। अब सवाल

यही है कि क्या अमेरिका इस संकट को सुलझा सकता है? जवाब है नहीं। ऐसा इसलिए क्योंकि अमेरिका इस जंग में पक्षकार बन चुका है। इसलिए न तो वह मध्यस्थ बन सकता है और न ईरान अमेरिका और उसके सहयोगियों की भूमिका के लिए राजी होगा। ऐसे में विकल्प नॉन-अमेरिकन ट्रस्ट ब्लॉक का ही बचता है। ब्रिटेन के पीएम कीर स्टॉर्मर की पहल के आगे बढ़ने के साथ ही भारत के बगैर इस जंग के खात्मे की कहानी पर विराम नहीं लग सकता। भारत या पीएम नरेंद्र मोदी की बात करें तो वह स्वाभाविक रूप से इसमें निर्णायक भूमिका अदा करने में सक्षम हैं। भारत की विदेश नीति रणनीतिक स्वायत्तता पर आधारित है। वह एक साथ अमेरिका, ईरान और इजराइल से सीधे संवाद कर सकते हैं, और जंग पर विराम भी लगवा सकते हैं। ब्रिटेन और कुछ यूरोपीय देश जो अमेरिका की आक्रामक लाइन से थोड़ा अलग हटकर काम कर रहे हैं, वह इस पटकथा का विश्वसनीय बहुपक्षीय मध्यस्थता खाका तैयार कर सकते हैं। इस जंग का सबसे बड़ा खतरा समय रहते टालना इसलिए जरूरी है क्योंकि गतिरोध के हालात में यह बहुआयामी संघर्ष मे तब्दील हो सकती है। जिससे ऊर्जा, सप्लाई चेन और वैश्विक व्यापार पर तेजी से प्रभाव पड़ेगा। खाड़ी के देश ओमान, कतर और संयुक्त अमीरात इसकी कीमत पहले ही चुका रहे हैं जो जंग शुरू होने के पहले ही इसे रोकने के लिए प्रयासरत थे। साथ में खाड़ी के दूसरे देश भी इस जंग की चक्की में पिस रहे हैं। सुलह की जमीन तीन बातों से तैयार होगी। अमेरिका को मिलिट्री ओवररीच से पीछे हटना होगा। भारत जैसे देशों को सक्रिय मध्यस्थता करनी होगी। ईरान को अपनी रणनीतिक सख्ती के साथ संवाद का रास्ता खुला रखना होगा। क्योंकि, इस जंग का अंत युद्ध से नहीं, बल्कि भरोसे से होगा। और भरोसा वही बना सकता है, जिसे जंग में शामिल सभी पक्ष कुबूल करें।

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट का बड़ा फैसला, पूर्व सीएम अजीत जोगी के बेटे हैं अमित

जग्गी हत्याकांड में अमित जोगी दोषी करार तीन हफ्ते के अंदर करना होगा सरेंडर

दलील... सरकार की ओर से प्रायोजित थी हत्या की साजिश

बिलासपुर, एजेंसी

छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित रामावतार जग्गी हत्याकांड में हाईकोर्ट ने पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी के बेटे अमित जोगी को दोषी करार दिया है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की डिवीजन बेंच ने उन्हें तीन सप्ताह के भीतर सरेंडर करने का आदेश दिया है। सीबीआई के साक्ष्य को स्वीकार करते हुए फैसला सुनाया गया है। फैसले पर अमित जोगी ने कहा कि हाईकोर्ट ने पूरी सुनवाई का मौका दिए बिना उन्हें दोषी ठहरा दिया, जो उनके लिए अप्रत्याशित है। उनके साथ अन्याय हुआ है।

सुनवाई के दौरान सतीश जग्गी ने कोर्ट को बताया कि उनके पिता की हत्या एक राजनीतिक साजिश के तहत कराई गई थी। सीबीआई ने 11 हजार पन्नों की चार्जशीट पेश की थी, जिसमें हत्या से जुड़े पर्याप्त साक्ष्य शामिल हैं। इन तथ्यों के आधार पर हाईकोर्ट ने सीबीआई की अपील स्वीकार करते हुए अमित जोगी को सरेंडर करने का आदेश दिया। बता दें कि ट्रायल कोर्ट ने पहले उन्हें संदेह का लाभ देते हुए बरी किया था, लेकिन बाद में मामला दोबारा खोला गया।

उल्लेखनीय है कि 4 जून 2003 को रायपुर में एनसीपी नेता रामावतार जग्गी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में 31 अभियुक्त बनाए गए थे। अमित जोगी को छोड़कर बाकी 28 लोगों को सजा मिली थी। 31 मई 2007 को रायपुर की विशेष अदालत ने संदेह का लाभ देते हुए अमित जोगी को बरी कर दिया था। जग्गी के बेटे सतीश ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की थी।

विद्याचरण शुक्ल के करीबी थे कारोबारी रामावतार जग्गी- कारोबारी बैकग्राउंड वाले रामावतार जग्गी देश के बड़े नेताओं में शुमार पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ल के बेहद करीबी थे। जब शुक्ल कांग्रेस छोड़कर एनसीपी में शामिल हुए तो जग्गी भी उनके साथ-साथ गए। विद्याचरण ने जग्गी को छत्तीसगढ़ में पार्टी का कोषाध्यक्ष बनाया था। इस हत्याकांड में उम्रकैद की सजा पाने वालों में 2 तत्कालीन सीएसपी और एक तत्कालीन थाना प्रभारी के अलावा रायपुर मेयर एजाज ढेबर के भाई याहया ढेबर और शूटर चिमन सिंह शामिल हैं।

एनसीईआरटी को मिला डीम्ड यूनिवर्सिटी का दर्जा

नईदिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की सलाह पर राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद को 'डीम्ड यूनिवर्सिटी' का दर्जा दे दिया है। इससे अब एनसीईआरटी को विश्वविद्यालय की तरह काम करने की आजादी मिलेगी, लेकिन इसके साथ कई जरूरी शर्तें भी लागू की गई हैं। एनसीईआरटी ने 2025 में सभी शर्तें पूरी करने की रिपोर्ट सरकार को दी। इसके बाद यूजीसी की विशेषज्ञ समिति ने इस रिपोर्ट की जांच की और इसे सही पाया। यूजीसी ने जनवरी 2026 में अपनी बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी, जिसके बाद केंद्र सरकार ने इसे अंतिम रूप दे दिया।

अब हाईकोर्ट में आमने-सामने होंगे राहुल गांधी और कार्तिकेय

शिवराज के परिवार की मानहानि से जुड़ा मामला

जबलपुर, एजेंसी

मध्य प्रदेश हाई कोर्ट में जल्द ही कांग्रेस के दिग्गज नेता राहुल गांधी और शिवराज परिवार आमने-सामने होंगे। मामला मानहानि केस से जुड़ा है। इसे लेकर राहुल गांधी ने एमपी एमएलए कोर्ट के समन को हाई कोर्ट में चुनौती दी है। जस्टिस प्रमोद कुमार अग्रवाल की बेंच एक सप्ताह बाद इस मामले में सुनवाई करेगी। साल 2018 में राहुल गांधी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष थे। झाबुआ में चुनावी सभा में राहुल ने पनामा पेपर लीक का जिक्र किया। शिवराज सिंह चौहान और उनके बेटे कार्तिकेय सिंह चौहान का नाम लिया। कार्तिकेय ने राहुल के बयान को अपनी छवि खराब करने वाला बताते हुए भोपाल के एमपी एमएलए कोर्ट में मानहानि का केस दर्ज कराया। भोपाल एमपी एमएलए कोर्ट की विशेष मजिस्ट्रेट ने राहुल के खिलाफ समन जारी किया और इसी को रद्द करने के लिए राहुल गांधी ने हाई कोर्ट का रुख किया।

चेन्नई-पंजाब, समय : शाम 7.30 बजे

मालदा कांड का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

कोलकाता । पश्चिम बंगाल के मालदा में एसआईआर में जुटे न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाने की घटना पर सीआईडी ने कार्रवाई की है। आज सुबह इस घटना के मास्टरमाइंड वकील मोफक्करुल इस्लाम को गिरफ्तार कर लिया गया। सूत्रों के अनुसार, बागडोगरा हवाई अड्डे पर उस समय गिरफ्तार किया गया जब वह वहां से भागने की कोशिश कर रहा था।

निगम का अपना परिसर ही बेहाल... नालियां खुलीं, टाइल्स बिखरीं

भोपाल में नगर निगम की लापरवाही का एक और बड़ा मामला सामने आया है। शहर के नए नगर निगम भवन की हालत खुद सिस्टम की सच्चाई बयां कर रही है। जिस भवन को शहर की व्यवस्थाओं का केंद्र माना जाता है, वहीं अब अव्यवस्थाओं का अड्डा बनता जा रहा है। भवन के कई हिस्सों में टाइल्स टूटकर बिखरी पड़ी हैं, जिससे न सिर्फ सौंदर्य बिगड़ रहा है बल्कि आने-जाने वाले लोगों के लिए खतरा भी बना हुआ है। वहीं जगह-जगह बिजली के तार खुले पड़े हैं, जो कभी भी बड़े हादसे को न्योता दे सकते हैं। इतना ही नहीं, भवन परिसर में नालियां भी खुली पड़ी हैं, जिससे गंदगी फैल रही है और स्वच्छता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि यही नगर निगम पूरे शहर की साफ-सफाई और व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी संभालता है, लेकिन अपने ही भवन की हालत सुधारने में नाकाम नजर आ रहा है। रोजाना सैकड़ों लोग इस भवन में आते हैं, लेकिन उनकी सुरक्षा और सुविधा को नजरअंदाज किया जा रहा है। स्थानीय लोगों और कर्मचारियों में भी इस स्थिति को लेकर नाराजगी देखी जा रही है। उनका कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है। अब सवाल यह उठता है कि जब शहर की व्यवस्था संभालने वाला विभाग खुद अपनी व्यवस्था नहीं संभाल पा रहा, तो आम जनता की समस्याओं का समाधान कैसे होगा? नगर निगम प्रशासन को चाहिए कि वह इस गंभीर लापरवाही पर तुरंत संज्ञान ले और भवन की मरम्मत के साथ-साथ सुरक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करे,

अभिभावकों को निजी प्रकाशकों की किताबें खरीदनी पड़ रही है

नहीं मिल रहीं एनसीईआरटी की पुस्तकें निजी प्रकाशकों की किताबें खरीदना मजबूरी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

निजी स्कूलों का सत्र शुरू हो गया है। किताब दुकानों पर अभिभावकों की भीड़ जुट रही है। इस वर्ष भी स्कूलों में एनसीईआरटी की किताबें लागू नहीं होने से अभिभावकों को महंगी किताबें खरीदनी पड़ रही है। राजधानी के निजी स्कूलों में फीस अधिनियम का भी पालन नहीं हो पा रहा है। इस कारण निजी स्कूलों में एनसीईआरटी की किताबों के बदले निजी प्रकाशकों की महंगी किताबें अभिभावकों को खरीदनी पड़ रही है, जहां निजी स्कूल के सातवीं कक्षा की किताबें सात हजार में मिल रही है। वहीं एनसीईआरटी की किताबें 700 रुपये में मिल रही हैं।

साथ ही दुकान संचालक जानबूझकर कई कक्षाओं के एनसीईआरटी की किताबें नहीं उपलब्ध करा रहे हैं, जिससे अभिभावक निजी प्रकाशकों की किताबें लेने के लिए मजबूर हैं। कई विषयों की किताबें बाजार में नहीं मिल रही है। ऐसे में स्कूल संचालकों को कमीशन देने के फेर में किताब दुकान निजी प्रकाशकों की किताब का मनमाना कीमत वसूल रहे हैं। कुछ स्कूल एनसीईआटी के साथ-साथ निजी प्रकाशकों की किताबें भी चला रहे हैं। उधर,अधिकारियों का कहना है किअभिभावक शिकायत करेंगे तो कार्यवाही की जाएगी।

आठ से नौ हजार में मिल रही 8वीं की किताबें

एनसीईआरटी की एक किताब 50 से 60 रुपये मिलती है तो निजी प्रकाशकों की किताबें 300 से 400 रुपये में मिल रही है। ऐसे में तीसरी कक्षा में एनसीईआरटी की पांच किताबें 300 से 400 रुपये में मिल रही है। वहीं 8वीं कक्षा के एक बच्चे की किताबों और स्टेशनरी पर आठ हजार से नौ हजार रुपये तक खर्च आ रहा है। ऐसे में अभिभावक परेशान हो रहे हैं।

अभिभावकों का कहना है कि सभी स्कूलों में एनसीईआरटी की ही किताबें लागू होनी चाहिए, लेकिन स्कूल निजी प्रकाशकों की किताबें बेच रहे हैं।

हर साल बदल देते हैं किताबें

निजी स्कूल हर साल एक या दो किताब बदल देते हैं, जिससे पुरानी किताबों से भाई-बहन भी नहीं पढ़ पाते हैं। मजबूरन हर साल नई किताबों का बंच खरीदना पड़ता है।अभिभावकों का कहना है कि एनसीईआरटी की किताबें लागू करने से आर्थिक बोझ से भी राहत मिलेगी।

निजी प्रकाशकों की किताबों से भारी बस्ते का बोझ

निजी स्कूल 10 से 12 किताबें निजी प्रकाशकों की चला रहे हैं। इस कारण बस्ते का बोझ भी बढ़ रहा है। साथ ही अभिभावकों को एक बच्चे के लिए पांच से सात हजार रुपये में मिल रहा है। निजी स्कूल एनसीईआरटी की जितनी पुस्तकें पाठ्यक्रम में शामिल करते हैं। उतनी ही एक्स्ट्रा करिकुलम एक्टिविटी के नाम पर निजी प्रकाशकों की पुस्तकें भी शामिल करते हैं। पांचवीं कक्षा में 10 से 12 किताबें चलाई जा रही है। बता दें बीते दिनों बुक स्टोर संचालक को कलेक्टर की टीम ने 100 की किताब 300 में बेचते पकड़ा था। कलेक्टर कौशलेंद्र ने सभी एसडीएम के नेतृत्व में दल का गठन किया है जो कि शहर में किताब बेचने वाले कारोबारियों की दुकानों का निरीक्षण करने के साथ ही मनमर्जी के दामों में बेचने पर सख्त कार्रवाई भी करेंगे।

गुंडागर्दी पर लगाम

अयोध्यानगर में अड़ीबाजी करने वाले दो बदमाश गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी के अयोध्यानगर थाना क्षेत्र में सरेराह गुंडागर्दी और रंगदारी दिखाने वाले बदमाशों के खिलाफ पुलिस ने सख्त शिकंजा कसा है। पुलिस ने इलाके में दहशत फैलाने वाले दो शातिर बदमाशों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पकड़े गए बदमाशों में से एक के पास से धारदार छुरी बरामद हुई है, जिसका उपयोग वह राहगीरों को डराने-धमकाने और अड़ीबाजी करने के लिए कर रहा था। यह पूरी कार्रवाई डीसीपी विवेक सिंह और एडिशनल डीसीपी गौतम सोलंकी के मार्गदर्शन में की गई है।

पुलिस के मुताबिक फरियादी शिवम बिछैले ने शिकायत दर्ज कराई थी कि वह राजीव नगर के मैदान के पास था, तभी झील नगर निवासी बदमाश आशीष यादव उर्फ बब्बी और विक्की उर्फ विकास धनमेरिया ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर उसे रोक लिया। आरोपियों ने शिवम से शराब पीने के लिए पैसों की मांग की। जब शिवम ने पैसे देने से मना किया, तो बदमाशों ने उसके साथ मारपीट की। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए थे। मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी आशीष यादव उर्फ बब्बी राजीव नगर बी-सेक्टर के एक पार्क में धारदार छुरी लेकर घूम रहा है। पुलिस ने तत्काल घेराबंदी कर आशीष यादव और उसके साथी विक्की उर्फ विकास को गिरफ्तार कर लिया।

आदतन अपराधी हैं दोनों: पकड़े गए दोनों बदमाशों का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड है। मुख्य आरोपी आशीष यादव पर पूर्व में छेड़छाड़, मारपीट और घर में घुसकर धमकी देने जैसे 6 संगीन मामले दर्ज हैं। वहीं, विक्की उर्फ विकास पर भी मारपीट और अड़ीबाजी के चार मामले पहले से दर्ज हैं।

500 से अधिक कल्याणी बहनों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

'मध्य प्रदेश सिंधु भवन ट्रस्ट द्वारा सर्वसमाज की कल्याणी बहनों के लिए स्वास्थ्य परीक्षण शिविर लायंस क्लब चैरिटेबल फाउंडेशन के अध्यक्ष लायन जेपीएस जौहर के सहयोग से मध्य प्रदेश सिंधु भवन में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व्यवसायी दिलीप लखी व उनकी धर्मपत्नी करुणा लखी मुंबई थे। ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेन्द्र मनवानी कल्याणी बहनों को बताया कि लखीजी ने व्यवसाय के क्षेत्र में ऊंचाइयों को छूते हुए परमार्थ के कार्यों में भी अपना नाम स्थापित किया है। आशा करते हैं कि उनके प्रेरणा से ट्रस्ट सदा समाज के जरूरतमंद लोगों की सेवा करता रहेगा।

दिलीप लखी जी ने कहा कि यह परमात्मा का दिया हुआ मौका है जो मैं आपका मेरे पास जमा धन आपको ही लौट रहा हूं इस धन के वास्तविक हकदार आप सभी हैं एवं यह धन मैं आपको सौंप कर कोई दान या कृपा नहीं कर रहा हूं। स्वास्थ परीक्षण शिविर में सर्वसमाज की 500 से अधिक कल्याणी बहनों का निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जिसमें

कल्याणी बहनों की सेवा सदन हॉस्पिटल संत हिरदाराम नगर द्वारा नेत्र रोग निदान एवं मोतियाबिंद जॉच, सेम यूनिवर्सिटी द्वारा दर्द निवारण जॉचए पीपुल्स यूनिवर्सिटी द्वारा दंत परीक्षणए एल एन सी टी यूनिवर्सिटी द्वारा नाक कान गला हड्डी रोग एवं स्त्री रोग परीक्षण किया गया। कार्यक्रम में ट्रस्ट के संस्थापक ट्रस्टी ईश्वर झामनानी, महासचिव हरीश ज्ञानचंदानी उपाध्यक्ष पीताम्बर लोकवानी, गुलाब ठाकुर, कोषाध्यक्ष अनिल चुघ, विधिक सलाहकार जितेन्द्र जादवानी, ट्रस्टी तुलसी नेनवानी, डॉ सी पी देवानी सहित बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य जन उपस्थित थे।

खाद्य विभाग ने बैरसिया विधायक का वेयर हाउस किया ब्लैकलिस्ट

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भोपाल के बैरसिया विधायक विष्णु खत्री के भागवती वेयर हाउस को खाद्य विभाग ने ब्लैक लिस्ट कर दिया। इस साल वेयर हाउस में गेहूं की सरकारी खरीदी नहीं हो सकेगी। वहीं, बारदाना देने वाली सहकारी समिति पर को भी ब्लैकलिस्ट किए जाने की कार्रवाई की जा रही है। दो दिन पहले प्रशासनिक टीम को विधायक के इस वेयर हाउस में सरकारी खरीद शुरू होने से पहले ही 6522 क्विंटल गेहूं रखा मिला था। सरकारी खरीद से पहले ही वेयरहाउस में बड़ी मात्रा में गेहूं रखे जाने की शिकायत के बाद अपर मुख्य सचिव के निर्देश पर जांच समिति गठित की गई थी। जिसने वेयर हाउस में 6522.50 क्विंटल गेहूं मिलने की बात कही थी। इनमें 5 हजार क्विंटल गेहूं 50-50 किलो के नए बोरों में भरा था। जिनकी संख्या 11 हजार है। 550 क्विंटल गेहूं गोदाम में खुले में रखा था। इसकी कुल कीमत 1.43 करोड़ रुपए आंकी गई थी।

एक और वेयरहाउस जांच के दायरे में: विधायक के वेयर हाउस में गेहूं रखा होने की शिकायत के बाद खाद्य विभाग ने क्षेत्र के एक दर्जन वेयर हाउस की जांच की। एक अन्य स्थान पर वेयर हाउस के बाहर भी गेहूं का भण्डार मिला, जिसे जांच में शामिल किया गया है। जनपद अध्यक्ष बैरसिया के पति भाजपा नेता कुबेर सिंह गुर्जर से जुड़ा वेयर हाउस भी जांच के दायरे में है। जांच समिति ने निर्णय लिया है कि जिन किसानों ने यहां गेहूं बेचा था, उनसे अब गेहूं की खरीदी नहीं की जाएगी। वहीं, नागरिक आपूर्ति निगम को बारदाना वापस किया जाएगा। जांच कमेटी ने इस मामले की विस्तृत जांच रिपोर्ट शासन को भेजी थी। इसके बाद शासन स्तर से ही यह कार्रवाई हुई है।

एक लाख से अधिक बच्चों को मिले मनपसंद स्कूलों में निःशुल्क प्रवेश

आरटीई : ऑनलाइन लॉटरी सिस्टम से एडमिशन में मध्यप्रदेश बना अग्रणी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश, देश में आरटीई के तहत ऑनलाइन लॉटरी सिस्टम अपनाने वाला अग्रणी राज्य बन गया है। इस प्रक्रिया से लगभग 1 लाख 6 हजार 051 बच्चों को उनके मनपसंद के निजी विद्यालयों में निःशुल्क प्रवेश मिला, वही शेष 72, 663 बच्चों को दूसरे चरण में प्रवेश मिलेगा। यह जानकारी राज्य शिक्षा केंद्र के संचालक हरजिंदर सिंह ने दी है।

सिंह ने बताया कि 91 हजार 543 ऐसे बच्चे हैं, जिनको प्रथम वरीयता वाले स्कूल मिले हैं। प्रवेश पाने वालों में 54 हजार 746 बालक एवं 51 हजार 305 बालिकाएं शामिल है। इससे पहले उन्होंने ऑनलाइन लॉटरी का बटन क्लिक किया। पूरी प्रक्रिया का सीधा प्रसारण राज्य शिक्षा केन्द्र के यूट्यूब चैनल पर हुआ।

सिंह ने इस पारदर्शी ऑनलाइन व्यवस्था निर्मित करने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग और मध्यप्रदेश स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स डेवलेपमेंट कॉरपोरेशन टीम की भी प्रशंसा की। इस अवसर पर केन्द्र के अपर संचालक शीतांशु शुक्ला, डॉ. अरूण सिंह, नियंत्रक आरटीई किरण कुशवाहा, डॉ. आशीष भारती, पंकज श्रीवास्तव, महेश मूलचंदानी, जेपी सोनकर, विवेक मिश्रा आदि उपस्थित है।

सिंह ने बताया कि प्रथम चरण की लॉटरी में जिन 72,663 बच्चों को सीट आवंटन नहीं हुआ है, उन्हें शासन ने स्कूलवार रिक्त रही सीटों पर प्रवेश में द्वितीय अवसर मिलेगा।

कक्षा नर्सरी, केजी और एक के बच्चे शामिल: इस लॉटरी में विभिन्न निजी स्कूलों की नर्सरी कक्षा में 66 हजार 219, केजी 1 में 31 हज़ार 970 और कक्षा पहली में 7 हज़ार 862 बच्चे शामिल है, जिनको नि:शुल्क प्रवेश के लिए सीटों का आवंटन हुआ है। स्कूल आवंटन में वरीयता को प्राथमिकता दी गई। प्रथम वरीयता में 91 हजार 543, दूसरी वरीयता में 7 हजार 496, तृतीय वरीयता में 03 हजार 580, चतुर्थ वरीयता में 01 हजार 245, पांचवी वरीयता में 874, छठवी में 501 सातवी में 315 आठवी में 221, नवी में 160 और दसवी वरीयता में 116 बच्चों को उनकी पसंदीदा स्कूलों का आवंटन किया गया है।

हनुमान जयंती पर विद्यालयों में हुए विभिन्न धार्मिक आयोजन

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

समूचा संतनगर केसरी नंदन के जन्मोत्सव के उल्लास में सराबोर रहा। जहां सुबह से ही मंदिरों में भक्तों का तांता लगा रहा और हनुमानजी महाराज को चोला चढ़ाया गया। वहीं, शैक्षिणक संस्थाओं में चालीसा पाठ एवं कार्यक्रम आयोजित किए गए। बच्चों ने किया चालीसा पाठ साधु वासवानी स्कूल में श्री हनुमानजी की जयंती मनाई गयी। विद्यालय की प्राचार्या सुतापा जॉयसवाल ने कहा कि रामभक्त हनुमान जी के त्याग, तपस्या को कभी बुलाया नहीं जा सकता उनकी भक्ति अटूट थी आप भी हनुमान जी की तरह भक्ति करके अपना जीवन सफल बनाएं। दीपा आहूजा ने कहा कि हनुमानजी शक्ति के प्रतीक बुद्धि व कुषलता के धनी है हनुमानजी अपने भक्तों को साहस प्रदान करते है। शिक्षिका ममता सिंह ने भी विचार रखे। हनुमान चालीसा पाठ किया गया।

मेट्रो एंकर

'विज्ञान में राष्ट्रीय स्वत्व : भारतीय वैज्ञानिकों का संघर्ष' विषय पर व्याख्यान आयोजित

लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती बन सकता है एआई

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के ज्ञान-विज्ञान भवन में, प्रज्ञा प्रवाह एवं विवि के संयुक्त तत्वावधान में 'विज्ञान में राष्ट्रीय स्वत्व : भारतीय वैज्ञानिकों का संघर्ष' विषयक एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर प्रज्ञा प्रवाह के अखिल भारतीय संयोजक जे नंदकुमार ने कहा कि आज विज्ञान और तकनीक नई समस्याएं भी उत्पन्न कर रही हैं। कृत्रिम मेधा (एआई) का उल्लेख करते हुए कहा कि आज एआई कविता लिख सकता है, कालिदास के नाम से श्लोक रच सकता है और आने वाले समय में मतदान जैसे निर्णयों को भी प्रभावित कर सकता है। उन्होंने चेतावनी दी कि एआई लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए गंभीर चुनौती बन सकता है और भविष्य में

युद्ध भी तकनीक के माध्यम से लड़े जा सकते हैं, जिससे मानव समाज एक खतरनाक दौर की ओर बढ़ रहा है। नंदकुमार ने वैज्ञानिक मेघनाथ सहाय के आबर्ज्ववेशन का हवाला देते हुए कहा है कि आधुनिक भारत की प्रगति रोकने का एक मात्र कारण नेहरू हैं। भारतीय विज्ञान विकास में तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की नीतियां बाधा बनीं। लिहाजा देश की आजादी के बाद विज्ञान में भारतीय दृष्टिकोण को अपेक्षानुरूप गति नहीं मिली। उन्होंने सोमा बैनर्जी की सीवी रमन बायोग्राफी का यह कहते हुए उल्लेख किया कि इसमें लिखा है कि आधुनिक भारत के विज्ञान की गति रोकने का मुख्य कारण वह हैं, जिनको पाश्चायत देशों के विज्ञान में रूचि रहती है। इतना ही नहीं रामन ने इंस्टीट्यूट की स्थापना करने पहले बोर्ड लगाया था कि परिसर में किसी राजनेता का प्रवेश पूर्णतः वर्जित है।

वहीं उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि भारतीय दर्शन 'ज्ञानमेव शक्ति' के आधार पर, विश्वमंच पर भारत पुनः सिरमौर बनेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विवि के कुलगुरु प्रो. सुरेश जैन ने स्वागत उद्बोधन में कार्यक्रम की प्रासंगिकता एवं विषय की महत्ता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में प्रज्ञा प्रवाह के पदाधिकारीगण, विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलगुरु, प्राध्यापकगण, विविध शिक्षाविद्, विद्यार्थी उपस्थित थे।

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

मध्यप्रदेश शासन

भारत के स्वाभिमान नवजागरण और विकास की यात्रा का उत्सव

महानाट्य सम्राट विक्रमादित्य

शुभारंभ

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

3 अप्रैल 2026 । विक्रम सम्वत् 2083, वैशाख कृष्ण पक्ष
सायं 7.00 बजे, बी.एल.डब्ल्यू. मैदान, वाराणसी, उत्तर प्रदेश

मुख्य अतिथि

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

3 से 5 अप्रैल 2026, प्रतिदिन सायं 7.00 बजे

प्रदर्शनियाँ

आर्ष भारत, सम्राट विक्रमादित्य और अयोध्या
शिव पुराण, चौरासी महादेव, श्रीहनुमान एवं मध्यप्रदेश के पवित्र स्थलों की प्रदर्शनी

पूर्वरंग : सायं 6.30 बजे से
मध्यप्रदेश के लोक नृत्य

स्वाद

देशज व्यंजनों का मेला

बाबा महाकाल के अनन्य सेवक

डॉ. मोहन यादव

द्वारा बाबा विश्वनाथ को सादर समर्पित

भारत का समय - पृथ्वी का समय

विक्रमादित्य वैदिक घड़ी

आप आदरपूर्वक आमंत्रित हैं।

मध्यप्रदेश जनसंपर्क द्वारा जारी

आयोजक :
संस्कृति, पर्यटन, जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश शासन
महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ, उज्जैन

सहयोग :
जिलाधिकारी वाराणसी
उत्तर प्रदेश सरकार

D-11001/26

नाटो पर छाए संकट के बादल

दुनिया के सबसे ताकतवर सैन्य अलायंस, नाटो के टूटने की आशंका पैदा हो गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका इस अलायंस से निकलने की सोच रहा है। ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में भी इस अलायंस के सहयोगी देशों को अमेरिका के मुकाबले कम वित्तीय सहयोग देने पर खरी-खोटी सुनाई थी। दूसरे कार्यकाल में ईरान युद्ध में, खासतौर पर होर्मुज को खोलने में उनका साथ नहीं मिलने से अमेरिकी राष्ट्रपति बेहद खफा हैं और इस बीच उनका यह बयान आया है। नाराजगी की वजह- ट्रंप ने अलायंस को कागजी शेर बताया है। अगर यह अलायंस टूटता है तो पश्चिमी देशों के सहयोग के इतिहास के लिए यह बहुत बड़ी घटना होगी। यूं तो ट्रंप नाटो को लेकर शिकायत लंबे अरसे से दर्ज कराते आए हैं, लेकिन इस बार जिन हालात में उन्होंने नाटो से बाहर निकलने की बात कही है, उन्हें देखते हुए मामला गंभीर लगता है। ट्रंप नाराज हैं, क्योंकि उन्हें ईरान में अकेले लड़ना पड़ रहा है। ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर ने कह दिया है कि यह उनकी लड़ाई नहीं है।

ईरान पर अलगाव- ट्रंप पूछते रहे हैं कि हम जिनके लिए लड़ते हैं, क्या वे हमारे लिए लड़ेंगे? और अब यूरोप के बर्ताव को वह सबूत के रूप में पेश कर रहे हैं। साथ लड़ना तो दूर, ईरान मुद्दे पर यूरोप विरोध में है। ब्रिटेन ने अपने सैन्य बेस की सशर्त इस्तेमाल की इजाजत दी है और स्पेन ने हमलों में शामिल अमेरिकी विमानों के लिए अपना स्पेस बंद कर दिया है। अमेरिका फर्स्ट अमेरिका और नाटो के बीच कुछ मसलों पर मतभेद पहले भी रहे हैं, खासकर आर्थिक योगदान को लेकर। 2014 में तय हुआ था कि सदस्य देश अपनी त्नष्ठक्कका 2त्न रक्षा पर खर्च करेंगे। ट्रंप के लगातार दबाव बनाने के बाद नाटो सदस्यों ने इसे हासिल भी कर लिया है, पर अब बात उसके आगे की है। अमेरिका अभी तक ज्यादा सैन्य और आर्थिक हिस्सा इसलिए दे रहा था, क्योंकि इसके बदले में उसे नेतृत्व मिला हुआ था। लेकिन, ट्रंप की पॉलिसी अमेरिका फर्स्ट की है, जहां सहयोगियों से रिश्ता भी नफा-नुकसान पर चलता है। बदलेगी जियो-पॉलिटिक्स- डोनाल्ड ट्रंप की सोच है कि अमेरिका को उन मामलों में दखल नहीं देना चाहिए, जहां से उसे कुछ मिल न रहा हो, भले ही इससे अमेरिकी छवि को नुकसान पहुंचता हो। नाटो से अलगाव को अंजाम देना इतना भी आसान नहीं होगा, पर इतना तय है कि यह सैन्य गठबंधन अब कभी पहले जैसा नहीं रहेगा।

बलिदान से जन्मी सत्य की रोशनी गुड फ्राइडे का शास्वत संदेश

योगेश कुमार गोयल
स्तंभकार

यीशु (ईसा मसीह) के बलिदान और उनकी शिक्षाओं को याद करने का दिन है 'गुड फ्राइडे'। दरअसल ईसा मसीह ने मानवता की भलाई के लिए बलिदान दिया। ईसाई मान्यता के अनुसार दुनिया को प्रेम, दया, करुणा, परोपकार, अहिंसा, सद्व्यवहार और पवित्र आचरण का संदेश देने वाले यीशु को इसी दिन उस जमाने के धार्मिक कट्टरपंथियों द्वारा क्रॉस पर चढ़ाया गया था। जिस दिन ईसा मसीह ने प्राण त्यागे थे, उस दिन शुक्रवार था और इसी याद में 'गुड फ्राइडे' मनाया जाता है। ईस्टर के रविवार से पहले पड़ने वाले शुक्रवार को मनाया जाता है और इस वर्ष गुड फ्राइडे 3 अप्रैल को मनाया जा रहा है। ईसाई समुदाय द्वारा इस त्यौहार को शोक के रूप में मनाया जाता है। गुड फ्राइडे को यीशु द्वारा मानवता की भलाई के लिए दिए बलिदान के रूप में देखा जाता है। गुड फ्राइडे के दिन गिरजाघरों में घंटा नहीं बजाया जाता बल्कि लकड़ी के खटखटे बजाए जाते हैं और लोग चर्च में क्रॉस को चूमकर यीशु का स्मरण करते हैं। कुछ स्थानों पर लोग काले कपड़े पहनकर प्रभु यीशु के बलिदान दिवस पर शोक भी व्यक्त करते हैं और यीशु से अपने गुनाहों की माफी मांगते हैं। ईसा मसीह के सूली पर चढ़ाए जाने की याद में इस दिन उनके अनुयायी समस्त लौकिक सुविधाओं का त्याग कर देते हैं। इस दिन चर्च और घरों से सजावटी वस्तुएं हटा दी जाती हैं या उन्हें कपड़े से ढ़क दिया जाता है।

कैथोलिकों द्वारा शुरू की गई प्रथा के अनुसार गुड फ्राइडे के ठीक 40 दिन पहले आने वाले बुधवार से ईसाई समुदाय में प्रार्थना और उपवास प्रारंभ हो जाते हैं। इस बुधवार को 'राख का बुधवार' कहा जाता है। उपवास के दौरान लोग केवल शाकाहारी और सात्विक भोजन करते हैं। माना जाता है कि यीशु ने मानव सेवा प्रारंभ करने से पहले चालीस दिन तक व्रत किया था और संभवतः इसीलिए उपवास की यह परम्परा शुरू हुई। इस दिन दुनियाभर के ईसाई सामाजिक कार्यों को बढ़ावा देने के लिए चर्च में चंदा या दान देते हैं। ईसाई धर्म में ईसा मसीह को परमेश्वर का पुत्र माना जाता है। उन्होंने लोगों को क्षमा, शांति, दया, करूणा, परोपकार, अहिंसा, सद्व्यवहार और पवित्र आचरण का उपदेश दिया और उनके इन्हीं सद्गुणों के कारण लोग उन्हें शांति दूत, क्षमा मूर्ति और महात्मा कहकर पुकारने लगे थे। कहा जाता है कि वे यरूशलम के गैलिली प्रांत में लोगों को मानवता, सत्य, एकता, प्रेम, अहिंसा और शांति का उपदेश दिया करते थे। उनके संदेश दूर-दूर तक फैलने लगे और उनके विचारों को लोग अपने जीवन में अपनाने लगे। वहां के लोग उन्हें परमपिता परमेश्वर का दर्जा देने लगे थे। समाज में धार्मिक अंधविश्वास और झूठ फैलाने वाले धर्मगुरूओं को इसी कारण ईसा मसीह से काफी जलन होने लगी थी क्योंकि लोग अपनी समस्याओं को लेकर अब उनके पास नहीं आ रहे थे। करीब दो हजार वर्ष पूर्व उन्हें मृत्युदंड इसीलिए दिया गया क्योंकि वे अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने और घोर विलासिता तथा अज्ञानता के अंधकार को दूर करने के लिए लोगों को शिक्षित और जागरूक कर रहे थे।

ईसा मसीह केवल एक धार्मिक व्यक्तित्व नहीं बल्कि परिवर्तन और करुणा के जीवंत प्रतीक थे। उन्होंने मानव प्रेम की सीमाओं को तोड़ते हुए उसे आत्मकेन्द्रितता और स्वार्थ से परे ले जाने का संदेश दिया। उनका जीवन इस सत्य का प्रमाण है कि सच्चा प्रेम त्याग, क्षमा और समर्पण में निहित होता है। जब पृथ्वी पर पाप और अन्याय बढ़ रहे थे, तब ईसा ने अपने बलिदान के माध्यम से निःस्वार्थ प्रेम की पराकाष्ठा को चरितार्थ किया। क्रॉस पर उनकी पीड़ा केवल एक व्यक्ति का कष्ट नहीं थी बल्कि संपूर्ण मानवता के उद्धार का प्रतीक बन गई। ईसाई मान्यताओं के अनुसार, क्रूस पर चढ़ाए जाने के तीसरे दिन, रविवार को ईसा मसीह पुनः जीवित हो उठे थे। यही कारण है कि गुड फ्राइडे के बाद आने वाला रविवार 'ईस्टर संडे' के रूप में मनाया जाता है। यह दिन केवल पुनरुत्थान का उत्सव नहीं, बल्कि आशा, नवजीवन और विश्वास की पुनर्स्थापना का संदेश देता है। कहा जाता है कि पुनर्जीवित होने के बाद ईसा ने लगभग 40 दिनों तक अपने शिष्यों और अनुयायियों को दर्शन दिए, उन्हें सत्य, प्रेम और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। ईस्टर की आराधना विशेष रूप से उषाकाल में की जाती है। मान्यता है कि पुनरुत्थान का यह चमत्कार प्रातःकाल ही हुआ था और सबसे पहले मरियम मदीलिनी ने ईसा को जीवित देखा था। यह प्रसंग इस तथ्य को भी उजागर करता है कि सत्य और आस्था का प्रकाश सबसे पहले उन हृदयों में जागृत होता है, जो श्रद्धा और विश्वास से परिपूर्ण होते हैं। इस प्रकार, गुड फ्राइडे हमें त्याग, धैर्य और प्रेम की शिक्षा देता है तो ईस्टर संडे जीवन में आशा और नवचेतना का संदेश लेकर आता है। दोनों मिलकर यह बताते हैं कि अंधकार चाहे कितना भी गहरा क्यों न हो, अंततः प्रकाश और सत्य की ही विजय होती है।

ये लेखक के अपने विचार हैं

रंगमच की वह ऑफलाइन दुनिया जहां इमोजी नहीं असली आंसू बहते हैं

दिलीप कुमार पाठक
स्तंभकार

हिंदी रंगमंच को लेकर हमारे समाज में एक अजीब सी रूमानी किस्म की सहानुभूति है, जो अक्सर तालियों की गड़गड़ाहट के साथ ही खत्म हो जाती है। 3 अप्रैल का दिन हम हिंदी रंगमंच दिवस के नाम पर दर्ज तो कर लेते हैं, लेकिन क्या हम उस बेचैनी को समझ पा रहे हैं जो इस कला की जड़ों में है? 1868 में जब बनारस के मंच पर जानकी मंगल नाटक खड़ा हुआ था, तो वह कोई मनोरंजन का साधन भर नहीं था। वह एक भाषा का अपने वजूद के लिए किया गया ऐलान था। आज डेढ़ सौ साल बाद, हम उस ऐलान की गूँज को डिजिटल शोर के बीच खो चुके हैं। रंगमंच असल में मनुष्य के भीतर की उस आदिम भूख का नाम है, जो कैमरे की आंख से बचकर सीधे साक्षात इंसान से आंख मिलाना चाहती है। यह कला किसी रीटेक की मोहताज नहीं है और न ही यहाँ कोई एडिटिंग टेबल गलतियों को सुधारने के लिए बैठी है। सिनेमा हमें एक निर्मित सत्य दिखाता है, जहाँ निर्देशक तय करता है कि आपको क्या देखना है। इसके उलट रंगमंच एक लोकतांत्रिक अनुभव है। मंच पर खड़ा अभिनेता अपने पसीने, अपनी कांपती आवाज और अपनी आँखों की नमी के साथ दर्शक के सामने पूरी तरह निहत्था होता है। यही वह लाइव होने का जोखिम है, जो रंगमंच को दुनिया की सबसे जांबाज कला बनाता है। आज के दौर में जब हम पिक्सेल और स्क्रीन की परतों में इतने गहरे धंस चुके हैं कि हमें बगल में बैठे इंसान की सांसों की गर्माहट महसूस होना बंद हो गई है, तब रंगमंच हमें एक सामूहिक चेतना का हिस्सा बनाता है। यह हमें कंज्यूमर से वापस इंसान बनाने की प्रक्रिया है। जब हॉल की लाइटें बुझती हैं और मंच पर रोशनी का एक कतरा पड़ता है, तो वहां बैठा हर दर्शक उस किरदार के दर्द का साझीदार बन जाता है।हिंदी रंगमंच का इतिहास गवाह है कि इसने कभी महलों की चाटुकारिता नहीं की। भारतेंदु से लेकर हबीब तनवीर तक, नाटकों ने हमेशा सत्ता के गलियारों में चुभते हुए सवाल भेजे हैं। अंधेर नगरी का वह टके सेर वाला न्याय आज भी हमारे लोकतंत्र की सड़कों पर बदहवास घूम रहा है। आषाढ़ का एक दिन की मल्लिका का वह अंतहीन इंतज़ार आज भी हर उस व्यक्ति की कहानी है जो अपनी अस्मिता और प्रेम के बीच पिस रहा है। रंगमंच हमें आईना दिखाता है, और आईना कभी सुखद नहीं होता। वह हमें हमारी झुर्रियां दिखाता है, हमारे भीतर की कुंठाएं दिखाता है और हमें मजबूर करता है कि हम खुद से रूबरू हों। यही कारण है कि सत्ताएं हमेशा रंगमंच से डरती रही हैं, क्योंकि यहाँ संवाद केवल जुबानों से नहीं, रूहों से होता है।

लेकिन आज एक बड़ा सवाल यह है कि क्या हम एक दर्शक के तौर पर अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं? हिंदी रंगमंच आज भी उन चंद पागलों के भरोसे जिंदा है जो दिन भर की थकाऊ नौकरी के बाद शाम को रिहर्सल के लिए अंधेरे कमरों में जुटते हैं। उनके पास न तो कॉर्पोरेट की फंडिंग है और न ही चमक-धमक वाले विज्ञापनों का सहारा। उनके पास सिर्फ एक जुनून है जो उन्हें हर शाम फिर से मेकअप रूम में ले आता है। वे जानते हैं कि शो खत्म होने के बाद उन्हें उसी साधारण जिंदगी में लौटना है जहाँ बिल भरने की चिंता है। फिर भी, वे हर रात मंच की वेदी पर खुद को होम करते हैं ताकि संवाद की लौ बुझने न पाए। क्या हमने कभी सोचा है कि एक टिकट खरीदकर नाटक देखना किसी मंदिर में दान देने से कहीं बड़ी सांस्कृतिक सेवा है? रंगमंच हमें देखना नहीं, महसूस करना सिखाता है। डिजिटल दुनिया ने हमें जोड़ा तो बहुत है, लेकिन हमें अकेला कर दिया है। हम अपनी स्क्रीन पर दुनिया भर का दुख देखते हैं और एक इमोजी बनाकर आगे बढ़ जाते हैं। रंगमंच पर ऐसा नहीं होता। वहां अभिनेता के आंसू दर्शक के गालों पर महसूस किए जाते हैं। यह वह जगह है जहाँ मनुष्यता का आखिरी सिरा सुरक्षित है। अगर रंगमंच मर गया, तो समझ लीजिए कि हमारे समाज से सहानुभूति और प्रतिरोध की क्षमता हमेशा के लिए खत्म हो जाएगी। संवादहीनता के इस दौर में नाटक ही वह आखिरी खिड़की है जहाँ से ताजी हवा आ सकती है।

आज इस खास दिन पर हमें यह समझना होगा कि नाटक का पर्दा केवल लकड़ी के तख्तों पर नहीं गिरता, वह हमारे भीतर के अंधकार पर भी गिरना चाहिए। हिंदी रंगमंच की ताकत उसकी भव्यता में नहीं, बल्कि उसकी सादगी और सच्चाई में है। यह उत्सव केवल इतिहास की किसी तारीख को याद करने का नहीं है, बल्कि यह अपने भीतर के उस दर्शक को जगाने का है जो भीड़ में अपनी पहचान खो चुका है। आइए, इस 3 अप्रैल को किसी अंधेरे हॉल में बैठें और उस रोशनी का स्वागत करें जो सीधे मंच से हमारे दिलों की ओर आती है। क्योंकि जब तक दुनिया में अन्याय रहेगा और जब तक इंसान के भीतर प्रेम की आग बाकी रहेगी, तब तक रंगमंच की मशाल जलती रहेगी।

ये लेखक के अपने विचार हैं

हेल्थ अलर्ट

माइग्रेन से बिगड़ सकती है मेन्टल हेल्थ- थकान, अनिद्रा, फोकस की कमी हैं इसके संकेत

माइग्रेन और मानसिक स्वास्थ्य के बीच गहरा संबंध है। मानसिक तनाव अक्सर माइग्रेन अटैक को ट्रिगर करता है। इसी तरह जिन लोगों को माइग्रेन की तकलीफ होती है उनमें एंग्जाइटी और डिप्रेशन बढ़ने की संभावना बढ़ जाती है। इस तरह ये दोनों एक दूसरे को प्रभावित करते हैं। माइग्रेन और डिप्रेशन, दोनों ही ऐसी बीमारी हैं, जिनमें व्यक्ति मानसिक रूप से प्रभावित रहता है। परिवार में माइग्रेन या मानसिक रोग का इतिहास, आसपास का माहौल, सेरोटोनिन की गड़बड़ी और हार्मोनल उतार-चढ़ाव (खासकर एस्ट्रोजन) के कारण माइग्रेन और मानसिक स्वास्थ्य आपस में जुड़ते हैं।

माइग्रेन के कारण लगातार सिरदर्द, नींद न आना, फोकस की कमी और सोशल इवेंट में जाने की इच्छा न होना जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। इसका व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर पड़ता है। बार-बार सिरदर्द होने से तनाव बढ़ता है। तनाव बढ़ने से एंग्जाइटी और डिप्रेशन बढ़ता है। डिप्रेशन के कारण निराशा बढ़ जाती है, काम में मन नहीं लगता, कॉन्फिडेंस कम हो जाता है। इस स्थिति में माइग्रेन की समस्या और बढ़ जाती है।

माइग्रेन सिर्फ सिरदर्द नहीं, बल्कि एक व्यापक न्यूरोलॉजिकल स्थिति है जो व्यक्ति की कार्य क्षमता को गंभीर रूप से प्रभावित करती है। माइग्रेन का प्रभाव सिर्फ सिरदर्द तक सीमित नहीं रहता, इसका असर इससे कहीं ज्यादा होता है। माइग्रेन के कारण रोगी का मानसिक स्वास्थ्य भी प्रभावित होता है। माइग्रेन के कारण आत्मविश्वास कम होता है, काम में मन नहीं लगता, अकेलापन महसूस होता है, किसी से मिलने की इच्छा नहीं होती। ये सभी लक्षण मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करते हैं।

माइग्रेन और मानसिक स्वास्थ्य बिगड़ने के कई लक्षण एक जैसे होते हैं। लगातार तेज सिरदर्द, मतली या उल्टी, कमजोरी या चक्कर आना, रोशनी या आवाज से दिक्कत, हर समय उदास रहना, नकारात्मक सोच का बढ़ना, काम पर फोकस न कर पाना, फैसले लेने में परेशानी आदि। माइग्रेन और मानसिक स्वास्थ्य सुधारने के लिए तनाव से बचें, ये माइग्रेन और मानसिक स्वास्थ्य बिगड़ने का प्रमुख कारण है। हमेशा खुश रहने की कोशिश करें। इसके लिए दोस्तों से मिलें, घूमने जाएं, अपने शौक के लिए समय निकालें और खुद को बिजी रखने की कोशिश करें। इसके साथ ही लाइफस्टाइल बदलकर माइग्रेन और मानसिक स्वास्थ्य को सुधारा जा सकता है। इसके लिए- हेल्दी डाइट लें, रेगुलर एक्सरसाइज करें। सोने-जागने की आदतें बदलें, योग, मेडिटेशन, ब्रीदिंग एक्सरसाइज करें।

सुविचार

एक–एक पल कीमती है,
इसे व्यर्थ बर्बाद न करें।
–अज्ञात

निशाना

बस उलझते ही उलझते जा रहे

दिनेश मालवीय 'अश्क'

जग में सब संकट मे फंसते जा रहे हैं
बस उलझते ही उलझते जा रहे हैं।

एक तरफ कहते हैं वो आगे की सोचो
पृष्ठ भी पिछले पलटते जा रहे हैं।

मुल्क में जब से हुयी ज़्यादा तरक़्की
जातियों फिरकों मे बंटते जा रहे हैं।

आचरण में तो नहीं कुछ ला सके हैं
बस किताबों को ही रटते जा रहे हैं।

चेतना व्यापक हुयी न हो के शिक्षित
खुद में ही बस हम सिमटते जा रहे हैं।

साथ पद के कद जो बढ़ता बात कुछ थी
खुद पदों के कद ही घटते जा रहे हैं।

क्या करें उम्मीद पहुंचेंगे कहीं हम
बेतरह खुद से भटकते जा रहे हैं।

AI अपडेट

आसान नहीं है अंतरिक्ष से धरती पर डेटा भेजना एस्ट्रोनॉट करते हैं 'एडवांस स्पेस नेटवर्क' का इस्तेमाल

इंसानों ने एक बार फिर से चांद की तरफ उड़ान भर दी है। नासा के आर्टेमिस-II मिशन के तहत अमेरिका के फ्लोरिडा से स्पेस मिशन लॉन्च हो गया है। 1972 के अपोलो 17 मिशन के बाद इंसान पहली बार चंद्रमा के इतने करीब जा रहे हैं। वे चंद्रमा की सतह पर उतरेंगे नहीं, बल्कि चारों तरफ का चक्कर लगाकर लौट आएंगे। अंतरिक्ष में रह रहे एस्ट्रोनॉट्स और धरती पर बैठी वैज्ञानिकों की टीम के बीच निरंतर संपर्क के लिए 'स्पेस नेटवर्क' नामक एक एडवांस कम्युनिकेशन सिस्टम का इस्तेमाल करता है। यह नेटवर्क अंतरिक्ष यात्रियों को पृथ्वी और इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन से जुड़े रहने में मदद करता है।

ब्रह्मांड की अनंत गहराइयों में घूमते अंतरिक्ष यान हों या फिर धरती से सैकड़ों किलोमीटर ऊपर चक्कर काटता अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन एक सवाल हमेशा मन में आता है कि वहां से वीडियो कॉल और भारी-भरकम वैज्ञानिक डेटा बिना किसी तार के धरती तक कैसे पहुंचता है? आज के डिजिटल युग में, अंतरिक्ष यात्रियों और वैज्ञानिकों के बीच का यह संपर्क किसी इंजीनियरिंग चमत्कार से कम नहीं है।

स्पेस नेटवर्क में ट्रैकिंग और डेटा रिले सैटेलाइट (टीडीआरएस) का एक समूह शामिल है। ये सैटेलाइट पृथ्वी से लगभग 35 हजार किलोमीटर ऊपर जियोसिंक्रोनस कक्षा में घूमते हैं और अंतरिक्ष में 'सेल टावर' की तरह काम करते हैं। स्पेस स्टेशन अपनी कक्षा में कहीं भी हो, टीडीआरएस सैटेलाइट से संपर्क बना सकता है। लो-अर्थ ऑर्बिट में घूम रहे सैटेलाइट्स के लिए NASA ने 'ट्रैकिंग एंड डेटा रिले सैटेलाइट' का एक जाल बिछाया है। ये सैटेलाइट्स अंतरिक्ष स्टेशन से सिग्नल लेते हैं और उसे नीचे ग्राउंड स्टेशन पर भेजते हैं. NASA और ISRO जैसी अंतरिक्ष एजेंसियां डेटा भेजने के लिए इस तकनीक का इस्तेमाल करती हैं।

चंद्रमा से सिग्नल आने-जाने में करीब 2.6 सेकंड लगते हैं. रिले तकनीक काम आती है। चूंकि अंतरिक्ष स्टेशन 28,000 किमी/घंटा की रफ्तार से दौड़ रहा है, वह हमेशा किसी एक ग्राउंड स्टेशन के ऊपर नहीं होता। ऐसे में वह सिग्नल अपने ऊपर मौजूद TDRS सैटेलाइट को भेजता है। TDRS उस सिग्नल को 'बाउंस' करके धरती पर मौजूद 'व्हाइट सैंड्स' जैसे ग्राउंड टर्मिनल पर भेज देता है। ग्राउंड स्टेशन पर सिग्नल पहुँचने के बाद, इसे फाइबर ऑप्टिक केबल के जरिए मिशन कंट्रोल सेंटर (जैसे NASA का जॉनसन स्पेस सेंटर) भेजा जाता है। यहाँ इंजीनियर और वैज्ञानिक बाइनरी डेटा को वापस तस्वीरों, वीडियो और ग्राफ में डिकोड करते हैं।

अजब - गजब

चार - पांच लाख के कबाड़ से बना दी रोल्स-रॉयस, सड़कों पर बन रही है आकर्षण का केंद्र

रोल्स-रॉयस का नाम सुनते ही दिमाग में बड़े-बड़े शहरों में सड़कों पर दौड़ने वाली करोड़ों की महंगी लग्जरी कार याद आती है, लेकिन इन दोनों आजमगढ़ की सड़कों पर भी एक ऐसी ही गाड़ी नजर आ रही है, जो लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रही है। रोल्स-रॉयस जैसी दिखने वाली यह कार किसी कंपनी की ओर से करोड़ों रुपए की लागत से नहीं बनाई गई, बल्कि यह विंटेज गाड़ी कबाड़ के जुगाड़ से तैयार की गई है। आजमगढ़ के एक कारपेंटर ने अपने हुनर और कारीगरी के दम पर पुरानी गाड़ी के चेचिस और इंजन का इस्तेमाल करते हुए कबाड़ की मदद से एक जबरदस्त लग्जरी कार बना डाली, जिसने हर किसी को हैरान कर दिया है।

जिले के तरवां क्षेत्र के रहने वाले सलमान पेशे से कारपेंटिंग का काम करते हैं। इसके अलावा वह पुरानी गाड़ियों को बनाने और मॉडिफाई करने का शौक भी रखते हैं। उनके इसी शौक ने जिले में एक ऐसी अनोखी कर बनाई है, जो इलाके में लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। जहां रोल्स-रॉयस जैसी दिखने वाली असली विंटेज कारें करोड़ों की कीमत में बिकती हैं, वहीं सलमान ने इस तरह दिखने वाली इस गाड़ी को कबाड़ का इस्तेमाल करते हुए बेहद कम लागत में तैयार किया है। यह गाड़ी दिखने में बिल्कुल रोल्स-रॉयस की विंटेज क्लासिक कार जैसी दिखती है, यही कारण है कि लोग इसे खूब पसंद कर रहे हैं। सलमान ने बताया कि रोल्स-रॉयस जैसी दिखने वाली गाड़ियां अक्सर बड़े शहरों में दिखाई देती हैं। उन्होंने बताया कि इस विंटेज कार को बनाने के लिए कई जगह से जरूरत के कल पुर्जे इकट्ठा किए हैं। उन्होंने इसके लिए देश के अलग-अलग हिस्सों, जैसे दिल्ली, मुंबई और कोलकाता जैसी जगहों से जरूर के सामानों को इकट्ठा कर अपनी कारीगरी और सूझबूझ से इसका इस्तेमाल करते हुए इस कार को एक शानदार लुक दिया है। उन्होंने बताया कि इस गाड़ी को तैयार करने में तकरीबन 4 से 5 लाख रुपए का खर्चा आया है। इसे बनाने के लिए उन्होंने पुरानी बोलेरो गाड़ी को खरीदकर उसके चेचिस और इंजन का इस्तेमाल किया है। वहीं इसके बॉडी को बनाने के लिए उन्होंने विभिन्न जगहों से इकट्ठा किए हुए बेकार समझे जाने वाले कबाड़ का उपयोग किया है। उन्होंने अपनी सूझबूझ का इस्तेमाल करते हुए पुराने कलपुर्जों की मदद से इसकी बॉडी को तैयार करते हुए गाड़ी को यह लग्जरी लुक दिया है। फिलहाल सलमान के इस शाही सवारी का आनंद आसपास के लोग अपने शादी-विवाह या खास अवसरों पर ले रहे हैं। यह कोई पहली बार नहीं है, जब सलमान ने इस तरीके का कारनामा किया हो। इससे पहले भी वह पुरानी नैनो कार को हेलीकॉप्टर के लुक में तब्दील कर चुके हैं। सलमान की जबरदस्त सूझबूझ और कारीगरी के कौशल ने यह साबित किया है कि प्रतिभा की बदौलत सीमित संसाधनों में भी बड़े सपनों को पूरा किया जा सकता है।

जब पिता ने उसे आवारागर्दी छोड़ काम में हाथ बंटाने की सलाह दी तो सिरफिरा बेटा आगबबूला हो गया

बेटे ने पिता को उतारा मौत के घाट, काम करने को कहा तो डंडे से सिर पर किए ताबड़तोड़ वार

छतरपुर। दोपहर मेट्रो

थाना क्षेत्र के पनोठा गांव के रगुनिया पुरवा में एक बेटे द्वारा पिता की निर्मम हत्या करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। शराब के नशे में धुत 35 वर्षीय बेटे ने मामूली सी बात पर अपने 70 वर्षीय बुजुर्ग पिता पर डंडे से हमला कर उन्हें मौत की नींद सुला दिया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना सुबह करीब 7 बजे की है जब बुजुर्ग पंचू कुशवाहा अपने खेत में लहसुन उखाड़ रहे थे। इसी दौरान उनके तीन बेटों में सबसे बड़ा बेटा 35 वर्षीय रामकृपाल उर्फ गुल्लू वहां पहुंचा, जो रात भर घर से गायब था। जब पिता ने उसे आवारागर्दी छोड़कर काम में हाथ बंटाने की सलाह दी, तो सिरफिरा बेटा आगबबूला हो गया। उसने पास ही पड़े भारी डंडे को उठाकर पिता के सिर पर ताबड़तोड़ प्रहार करना शुरू कर दिए। गंभीर चोटों के कारण बुजुर्ग पंचू कुशवाहा ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। शुरुआती जांच में सामने आया है कि आरोपी शराब का आदी है और अक्सर घर में विवाद करता था। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर विस्तृत पूछताछ की जा रही है।

जंगल में छिपा था आरोपी, घेराबंदी कर पकड़ा

वारदात को अंजाम देकर आरोपी मौके से फरार हो गया था। घटना की सूचना मिलते ही ईसानगर पुलिस और एफएसएल टीम मौके पर पहुंची और साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने तत्काल टीम गठित कर आरोपी की तलाश शुरू की। मोबाइल लोकेशन और मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने गहरवार के जंगलों की घेराबंदी की और हत्यारे बेटे को गिरफ्तार कर लिया।

भाजपा नेता पर कुल्हाड़ी से हमला, राज्यमंत्री पर हमला करवाने का आरोप

राजगढ़। जिले के पचोर थाने के सुल्तानिया गांव में सरकारी जमीन पर अतिक्रमण को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। जिसमें सुल्तानिया गांव के सरपंच और भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र मालवीय पर कुल्हाड़ी और डंडों से हमला किया गया। हमले में जितेन्द्र मालवीय के सिर में गंभीर चोट आई है। वहीं दूसरे पक्ष के साथ भी मारपीट हुई है। मध्यप्रदेश के राज्यमंत्री गौतम टेटवाल पर हमला करवाने का आरोप है, हालांकि राज्यमंत्री ने कहा है कि उनका इस घटना से कोई लेना-देना नहीं है। बताया जा रहा है कि श्मशान की भूमि पर हो रहे अतिक्रमण को हटाने को लेकर विवाद उपजा। कुछ दिन पहले सरपंच की शिकायत पर राजस्व टीम ने शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाया था। जिसको लेकर ही गुरुवार को ट्रैक्टर से कचरा फेंकने गए सरपंच और गांव के ही कैलाश नागर और दुर्गाप्रसाद नागर के बीच विवाद हुआ। इसी दौरान किसी ने सरपंच पर कुल्हाड़ी से हमला किया। जिसमें उन्हें गंभीर चोटें आई है। वहीं दूसरे पक्ष के साथ भी मारपीट के आरोप हैं। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत पर मामला दर्ज कर जांच में लिया है।

नौ साल की बच्ची से की छेड़छाड़ आरोपी के घर पर चला बुलडोजर

अगार मालवा। दोपहर मेट्रो

जिले में 9 साल की मासूम बच्ची के साथ छेड़छाड़ की घटना के बाद गुरुवार को प्रशासन ने आरोपी के घर पर बुलडोजर चलाया। प्रशासन ने आरोपी के मकान के कच्चे हिस्से को जमींदोज किया है और पक्के हिस्से को हटाने के लिए तीन दिन का समय दिया है। बता दें कि बच्ची से छेड़छाड़ की घटना के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने इंदौर-कोटा हाईवे पर जाम लगाते हुए आरोपी के घर पर बुलडोजर चलाने की मांग की थी।

आगर मालवा जिले के सोयत थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले एक गांव में बुधवार की शाम 9 साल की बच्ची के साथ पड़ोस में रहने वाले 25 वर्षीय आरोपी अफरोज ने घर में घुसकर छेड़छाड़ की थी। घटना का पता चलते ही गांव में हड़कंप मच गया था और पुलिस ने सूचना मिलते ही आरोपी अफरोज के खिलाफ पॉक्सो सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया था। आरोपी की गिरफ्तारी के बाद भी ग्रामीणों का गुस्सा शांत नहीं हुआ और वो आरोपी के घर पर बुलडोजर चलाने की मांग कर रहे थे। आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई के साथ ही उसके घर पर बुलडोजर चलाने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने गुरुवार को इंदौर-कोटा हाईवे पर विरोध प्रदर्शन करते हुए चक्काजाम किया। जिससे की हाईवे पर दोनों तरफ वाहनों की लंबी लाइन लग गई। जाम की खबर लगते ही एडिशनल एसपी, सुसनेर एसडीओपी, एसडीएम सहित सोयत पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों से बातचीत कर उन्हें समझाने की कोशिश की लेकिन ग्रामीण आरोपी के घर पर बुलडोजर चलाने की मांग पर अड़े रहे। जब प्रशासनिक अधिकारियों ने आरोपी के घर पर कार्यवाही का आश्वासन दिया तब जाकर आक्रोशित ग्रामीणों ने प्रदर्शन खत्म किया। ग्रामीणों को समझाने के बाद प्रशासिक अमला दल-बल के साथ गांव पहुंचा और अतिक्रमण कर बनाए गए आरोपी के घर के हिस्से को जमींदोज किया। अभी आरोपी के घर का अतिक्रमण कर बनाया गया कच्चा हिस्सा तोड़ा गया है और अतिक्रमण वाले पक्के हिस्से को हटाने के लिए तीन दिन का समय दिया है।

4.60 करोड़ रुपए से बनेंगे 41 आंगनबाड़ी भवन , विधायक का किया आभार व्यक्त

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

विधायक उमाकांत शर्मा ने तहसील सिरोंज के 41 आंगनबाड़ी भवनों के लिए 4 करोड़ 60 लाख रु की राशि स्वीकृत की है। तहसील अंतर्गत चल रहे आंगनबाड़ी केन्द्र वर्तमान की स्थिति में गॉव की दालानो या निजी भवनो में संचालित किए जा रहे है, भवन न होने के कारण अध्ययनरत बच्चो को भी परेशानियों का सामना करना पड़ता था, जिनके भवनो की मांग ग्रामीणजनों द्वारा लगातार की जा रही थी। क्षेत्रवासियों की इसी मांग को देखते हुए विधायक उमाकांत शर्मा ने विधानसभा के सिरोंज तहसील के 41 आंगनवाड़ी केन्द्रो पर भवन निर्माण के लिए 4करोड़ 60 लाख रु कीराशि स्वीकृति होने पर क्षेत्रीय विधायक उमाकांत शर्मा ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव एवं महिला बाल विकास की मंत्री निर्मला भूरिया का आभार व्यक्त किया की अनुशंसा पर हुई है ज्ञात हो कि यह जिसको लेकर विधायक उमाकांत शर्मा के द्वारा किये गये प्रयास रंग लायें और इसी पर विधायक उमाकांत शर्मा के द्वारा मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव , एवं महिला बाल विकास विभाग की मंत्री निर्मला भूरिया का आभार व्यक्त किया वहीं स्थानीय जनप्रतिनिधियों के द्वारा भी विधायक उमाकांत शर्मा का आभार व्यक्त किया

गया। स्वीकृत प्रत्येक आंगनवाड़ी केन्द्र को 11 लाख 22 हजार की लागत से तैयार किया जायेंगा। जिसका निर्माण ग्राम पंचायतो के द्वारा किया जायेंगा जिसमें स्वीकृत हुऐ आंगनवाड़ी केन्द्र प्यासी , करीमाबाद , कुंदनखेड़ी , जलालपुर , टांडाबंजारा , नारायणपुर , पचमढ़ी , पर्वतपुर , बरेण्डा , महाराज खेड़ी , लालाटौरी , सांकलाहवेली , सारंगपुर , सुगनाखेड़ी , सैदपुरा , खोंदूपुर , आफताव नगर हरिपुर , आमखेड़ा , कचनारिया , बाबुलखेड़ी , वामनखेड़ी , पारधा , रामनगर , गोपालपुर , सूरनताल , रामनगर बंजारा टपरा , अजीमाबाद , गरेठा अ , गरेठा स , सुगनयाई , हिनोतिया , सांझरमजरा , बागरोद , भौंरया , तिलियाहार, वीरपुर , कुंडई , मजरासोठियार , इमामनगर , नरखेड़ाजागीर , हरदौलखेड़ी केन्द्र के भवनो का निर्माण किया जायेंगा ।

धोखाधड़ी करने वाले 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर भेजा जेल

किराए पर वाहन लेकर बेच देते थे आरोपी, पुलिस ने 3 कार भी की जब्त

धार। दोपहर मेट्रो

पुलिस ने धोखाधड़ी करने वाले 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। चारो आरोपी चार पहिया वाहन वाहन किराए पर लेते थे तथा वापस ना करते हुए अमानत में खयानत करते थे। पुलिस को लंबे समय से इनके विरुद्ध शिकायते प्राप्त हो रही। शिकायतों के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चारो आरोपियो को गिरफ्तार किया हैं।

राजगढ़ थाना प्रभारी समीर पाटीदार ने बताया कि धार एसपी मयंक अवस्थी व एएसपी पारुल बेलापुरकर के निर्देश पर तथा एसडीओपी विश्वदीप सिंह परिहार के मार्गदर्शन में पुलिस टीम ने अमानत में खयानत करने के 3 मामलों में फरार चल रहे आरोपी शैलेन्द्र पिता

देवेंद्र सिंह ठाकुर उम्र 52 साल निवासी पटेल कॉलोनी सरदारपुर हाल मुकाम मालवीय नगर इंदौर, मनोज पिता मानसिह ठाकुर निवासी सरदारपुर, धीरज पिता राधेश्याम प्रजापत उम्र 21 साल निवासी कुम्हारगड्डा धार व जीतू पिता बंसीलाल तिवारी उम्र 38 साल निवासी प्रेस्टिज कॉलोनी पीथमपुर को गिरफ़्तार किया गया। आरोपियो से 2 आर्टिगा कार व 1 होंडा अमेज कार जप्त की हैं। चारो आरोपियों को न्यायालय पेश किया गया। जहां से उन्हें जेल भेजा हैं। थाना प्रभारी पाटीदार ने बताया कि फरियादी हरिओम निवासी पिपरनी रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि फरियादी की अर्टिगा कार क्रमांक एमपी-09 सीडब्ल्यू-1707 को आरोपी धीरज प्रजापत द्वारा दिनांक 2 दिसंबर 2025 को 25 हजार रुपये प्रतिमाह किराये पर लिया गया था। आरोपी द्वारा बैंक किस्त एवं किराया राशि जमा नहीं की गई तथा वाहन वापस न कर बेईमानीपूर्वक खुर्द-बुर्द कर दिया। वही फरियादी बाबुदास निवासी बसंत विहार कॉलोनी राजगढ़ द्वारा रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि, उसकी होंडा अमेज कार को आरोपी शैलेन्द्र ठाकुर द्वारा दिनांक 22 सितंबर 2023 को किराये पर लिया गया था। कुछ समय किस्त राशि जमा करने के पश्चात आरोपी द्वारा किराया एवं किस्त देना बंद कर दिया गया तथा वाहन बेच देने की बात कहकर वाहन वापस नहीं किया गया। इसी प्रकार फरियादी राजु निवासी झिनटोडी राजगढ़ द्वारा रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि, उसकी अर्टिगा कार क्रमांक रक्क45 ष्ट 2865 को आरोपी शैलेन्द्र ठाकुर एवं सह आरोपी मनोज ठाकुर द्वारा दिनांक 7 फरवरी 2025 को 30 हजार रुपये प्रतिमाह किराये पर लिया गया था। प्रारंभ में किराया देने के पश्चात आरोपियों द्वारा किराया देना बंद कर वाहन वापस करने से इंकार कर दिया गया तथा वाहन खुर्द-बुर्द कर दिया गया। तीनो मामलों में आरोपियो के विरुद्ध अमानत में खयानत का प्रकरण दर्ज कर पुलिस टीम द्वारा तकनीकी साक्ष्य, मुखबिर सूचना एवं लगातार तलाश के आधार पर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

मंडीदीप पुलिस ने सुलझाया हत्या का मामला

अवैध संबंधों के चलते चार लोगों ने की थी बुजुर्ग की हत्या

मंडीदीप। दोपहर मेट्रो

पुलिस ने मात्र दो दिनों में मंडीदीप के कन्टेनर डिपो इलाके में एक कार में मिले शव का राज खोल दिया। हत्या अवैध संबंधों की वजह से हुई थी। चार आरोपियों ने मिलकर 50 वर्षीय संतोष को पीट-पीटकर मार डाला और पुलिस को गुमराह करने के लिए मंडीदीप में कार छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और मोबाइल कॉल डिटेल्स के आधार पर मामले को सुलझाते हुए सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर नसरुल्लागंज पुलिस को सौंप दिया है। मामला मंगलवार को सामने आया था, जब मंडीदीप के वार्ड 10 कन्टेनर डिपो से स्टेशन जाने वाले रोड पर एक कार में एक बुजुर्ग व्यक्ति का शव पड़ा मिला। शव की पहचान भोपाल के नेहरू नगर निवासी 50 वर्षीय संतोष पुत्र मोहन लाल के रूप में हुई। उल्लेखनीय है कि शव जिस कार में मिला, वह भी मृतक के नाम पर रजिस्टर्ड थी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू की। मर्ग की विवेचना कर रहे एएसआई वरुण सक्सेना ने बताया कि मृतक संतोष का रजनी उइके से अवैध संबंध थे। संतोष अक्सर रजनी को परेशान करता रहता था। इससे परेशान होकर रजनी ने अपने पति भगवान, बेटी पूजा और बहनोई वीरेंद्र के साथ मिलकर साजिश रची। 30 मार्च को चारों ने संतोष को भदाकुई थाना क्षेत्र नसरुल्लागंज बुलाया। रात में सभी ने मिलकर उसे बुरी तरह पीटा और हत्या कर दी। इसके बाद आरोपियों ने मृतक की कार में शव रखकर मंडीदीप पहुंचाया और स्टेशन के पास कार खड़ी कर फरार हो गए। थाना प्रभारी रंजीत सराठे ने बताया कि शून्य पर मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और मृतक के मोबाइल की कॉल डिटेल्स से हत्या का राज खोला। सभी चार आरोपियों को गिरफ्तार कर नसरुल्लागंज पुलिस के हवाले कर दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और आगे की जांच से हत्या की पूरी डिटेल्स सामने आएंगी। पुलिस का कहना है कि यह मामला हादसे का नहीं, बल्कि सुनियोजित हत्या का था।

हनुमान जयंती पर मंदिरों में सुंदरकांड व रामचरितमानस की गूंजी स्वरलहरियां

मंडीदीप। दोपहर मेट्रो

औद्योगिक शहर मंडीदीप में हनुमान जयंती गुरुवार को धूमधाम से मनाई गई। अल सुबह से ही मंदिरों में जय श्री राम और जय हनुमान के जयकारे गूंज रहे थे। कहीं रामचरितमानस की चौपाइयों और सुंदरकांड की स्वरलहरियाँ गूंज रही थीं, तो कहीं सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा और मानस पाठ चल रहा था।

सूर्योदय से पहले ही मंदिरों में घंटा-घड़ियाल के साथ महाआरती का आयोजन किया गया। ब्रह्म मुहूर्त में हनुमानजी का सिंदूर अभिषेक कर सोने-चांदी के वर्क से भव्य श्रृंगार किया गया। इसके बाद महाआरती सहित अन्य अनुष्ठान संपन्न हुए। पूरे दिन शहर के प्रमुख हनुमान मंदिरों में हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ रही। सबसे अधिक भीड़ हनुमान कुटी, जाखला धाम मंदिर, 55 सीढ़ी हनुमान मंदिर और मंडी स्थित हनुमान मंदिर में देखी गई। हनुमान जयंती के अवसर पर शहर में भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। शोभायात्रा शाम 4 बजे वार्ड-3 स्थित श्री राम जानकी मंदिर से शुरू हुई। यात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए जाखला धाम मंदिर पहुंचकर समाप्त हुई। यात्रा में श्री हनुमान जी की मनमोहक झाँकी, विभिन्न अखाड़ों की प्रस्तुतियाँ और श्याम बैंड की धुन आकर्षण का मुख्य केंद्र रहीं। इस शोभायात्रा का आयोजन सकल हिंदू समाज के शहरी एवं ग्रामीण नवयुवकों द्वारा किया गया। शोभयात्रा का पूरे मार्ग में विभिन्न स्थानों पर पुष्पवर्षा कर यात्रा का स्वागत किया गया। यात्रा में नगर के वरिष्ठ नागरिकों और युवाओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

पड़ोसी ने पति के एक्सीडेंट का बहाना कर होटल में पत्नी की लूटी आबरू

शिवपुरी। दोपहर मेट्रो

जिले में महिला से दुष्कर्म करने वाले आरोपी को गुरुवार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पीड़ित महिला को उसके पति का एक्सीडेंट होने का बहाना बनाकर अपने साथ ग्वालियर ले गया था और होटल में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया था। आरोपी पीड़िता का पड़ोसी है जिसके कारण महिला उसके झांसे में आ गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया था जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। शिवपुरी के फिजिकल थाना क्षेत्र में रहने वाली 38 वर्षीय महिला ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि वो 29 मार्च को बस स्टैंड के पास से गुजर रही थी। तभी पड़ोस में रहने वाला पंकज राठौर मिला और उसने कहा कि तुम्हारे पति का एक्सीडेंट हो गया है और उसे गंभीर हालत में ग्वालियर ले जाया गया। वो पति के एक्सीडेंट की खबर सुनकर स्तब्ध रह गई और आरोपी पंकज की बातों में आकर उसके साथ ग्वालियर के लिए निकल गई। पीड़िता के मुताबिक आरोपी पंकज उसे ग्वालियर की एक होटल में ले गया और वहां उसके साथ दुष्कर्म किया। जब पीड़िता ने विरोध किया तो आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी दी। दुष्कर्म करने के बाद आरोपी उसे वापस शिवपुरी लेकर आया और झांसी तिराहा क्षेत्र में दोबारा उसके साथ दुष्कर्म किया। दूसरी बार दुष्कर्म करने के बाद आरोपी उसे वहीं छोड़कर फरार हो गया। वो किसी तरह घर पहुंची और पति को पूरी आपबीती बताई। घर लौटकर जब पीड़िता ने पति को अपने साथ हुई दुष्कर्म की घटना के बारे में बताया तो पति ने उसे हिम्मत दी और 1 मार्च को अपने साथ पुलिस थाने लेकर पहुंचा। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर आरोपी पंकज राठौर की तलाश शुरू की और गुरुवार को उसे गिरफ्तार कर लिया।

मेट्रो एंकर — संकट मोचन के भजनों से गूंजा नगर, बड़ी संख्या में शामिल हुए श्रद्धालु

हनुमान प्रकटोत्सव पर बजरंग दल ने निकाली भव्य शोभायात्रा

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

श्री हनुमान प्रकटोत्सव के पावन अवसर पर विश्व हिन्दू परिषद एवं बजरंग दल के तत्वावधान में शनिवार शाम एक भव्य और आकर्षक शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा का शुभारंभ गांधी चौक स्थित राम जानकी मंदिर से हुआ, जो सदर बाजार, सावरकर चौक सहित नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए रेलवे स्टेशन के पास स्थित हनुमान मंदिर पहुंचकर सम्पन्न हुई। यात्रा के दौरान पूरा नगर भक्तिमय माहौल में डूबा नजर आया। शोभायात्रा में सुसज्जित रथ पर भगवान हनुमान की आकर्षक एवं जगमगाती झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। वहीं दो घोड़ों की बग्घी पर हनुमान जी की सजीव झांकी ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं द्वारा आरती उतारकर भगवान का स्वागत किया गया। महाशक्ति अखाड़े के पहलवानों ने पारंपरिक शारीरिक कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। पहलवानों द्वारा चकरा, बनेठी, पटिया, ढाल-तलवार एवं मुग्दर जैसे पारंपरिक करतबों का प्रदर्शन किया गया, जिसे देखकर लोग दंग रह गए और तालियों से उनका उत्साहवर्धन किया।

भजनों से गूंजा वातावरण

शोभायात्रा में शामिल भजन मंडलियों ने एक से बढ़कर एक भक्तिमय भजनों की प्रस्तुति दी। भजनों की मधुर धुनों पर श्रद्धालु झूमते नजर आए और पूरा वातावरण भक्तिरस में सराबोर हो गया।

जगह-जगह हुआ स्वागत

नगर के विभिन्न स्थानों पर सामाजिक संगठनों एवं नागरिकों द्वारा शोभायात्रा का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। साथ ही श्रद्धालुओं के लिए जलपान की भी व्यवस्था की गई। इस भव्य शोभायात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, सामाजिक कार्यकर्ता एवं नगर के गणमान्य नागरिक शामिल हुए।

चार याचिका और एक अपील पर कोर्ट ने की सुनवाई, 6 अप्रैल से पहले याचिकाकर्ताओं और इसके बाद आपत्तिकर्ताओं को सुनेगा कोर्ट

भोजशाला विवाद: हाईकोर्ट में अब हर दिन होगी सुनवाई, सोमवार से शुरू होगा दलीलों का दौर

धार। दोपहर मेट्रो

भोजशाला परिसर को लेकर चल रहे विवाद में आज मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ में गुरुवार को अहम सुनवाई हुई। हाईकोर्ट ने कहा कि सोमवार दोपहर 2.30 बजे से इस केस की रोजाना सुनवाई होगी। पहले याचिकाकर्ताओं और इसके बाद आपत्तिकर्ताओं को सुना जाएगा। हाईकोर्ट जस्टिस विजय कुमार शुक्ला और जस्टिस आलोक अवस्थी इस केस की सुनवाई करेंगे। गुरुवार को चार याचिका और एक अपील पर सुनवाई की गई। याचिकाकर्ता आशीष गोयल ने बताया कि नियमित सुनवाई होने से न्याय जल्दी मिलने की उम्मीद जगी है। सुनवाई के दौरान हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस की ओर से विष्णु शंकर जैन, विनय जोशी मौजूद रहे। जबकि मौलाना कमालुद्दीन वेलफेयर सोसायटी की ओर से एडवोकेट सलमान खुर्शीद वीसी के माध्यम से जुड़े थे। सुनवाई के दौरान भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की सर्वे रिपोर्ट, वीडियोग्राफी और पक्षकारों की आपत्तियों को सुना गया।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- हाईकोर्ट में ही होगी सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान स्पष्ट कर दिया कि मामले का अंतिम निर्णय हाईकोर्ट ही करेगा। कोर्ट ने कहा कि उसने केस के गुण-दोष पर कोई राय नहीं दी है और सभी मुद्दे हाईकोर्ट के सामने खुले रहेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने अपने पहले के आदेश को बरकरार रखते हुए कहा है कि भोजशाला परिसर के वर्तमान स्वरूप में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। साथ ही 7 अप्रैल 2003 के एएसआई आदेश का पालन जारी रहेगा। एएसआई द्वारा तैयार की गई सर्वे रिपोर्ट सभी पक्षों को उपलब्ध कराई जा चुकी है। कई पक्षों ने इस पर अपनी आपत्तियां भी दर्ज कर दी हैं, जिन पर अब हाईकोर्ट में नियमित सुनवाई होगी।

न्यूज विंडो

12 साल की बच्ची को जहरीले सांप ने काटा जबलपुर रेफर

तेंदूखेड़ा। रवीना यादव पिता हल्ले यादव उम्र 12 वर्ष ग्राम जरूआ की रहने वाली है रवीना शाम 7ः30 बजे अपने घर के आंगन की पट्टी में बैठी हुई थी तभी अचानक एक जहरीले सांप ने आकर उसे हाथ में डस लिया जैसे ही सांप ने डसा बच्ची जोर से चिल्लाई और अपने परिजनों को बुलाकर सांप डसने की बात कही परिजनों ने भी सांप भागते हुए देखा परिजनों ने तुरंत बच्ची के हाथ में रस्सी बांधकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा लेकर आए। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के ड्यूटी डॉक्टर प्रियांशु साहू के द्वारा एंटी स्नेक वैक्सीन लगाकर बच्ची की हालत को देखते हुए 108 की मदद से जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया बच्ची की हालत नाजुक बताई जा रही हैं।

गायब युवक का शव कुएं में मिला, पुलिस कर रही पड़ताल

सिरोंज। गायब युवक का शव उसके मकान के पास ही कुएं में मिला। वार्ड 17 उड़नछत्री के पास रहने वाले विनोद शर्मा का 22 वर्षीय पुत्र नीरज शर्मा मंगलवार बुधवार की रात किसी बात से नाराज होकर घर से बाहर निकल गया। सुबह तक जब वह घर नहीं पहुंचा तब परिवारजनों अपने रिश्तेदारों और मिलने वालों के साथ खोजबीन शुरू की लेकिन कोई पता न लगने पर पुलिस को सूचना दी इसके बाद गुरुबार जब घर के पास बने कुएं पर मोहल्ले वाले पानी भरने पहुंचे तब उनको कुएं में शव तैरता दिखाई दिया जिसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर लाश को बाहर निकलवाया तब लाश की पहचान नीरज शर्मा के रूप में हुई पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और शव को पोस्टमार्टम करवाकर परिवारजनों को सौंप दिया।

रिश्वत लेते पकड़ाया ASI लोकायुक्त की कार्रवाई

शहडोल। रिश्वतखोर अधिकारी-कर्मचारियों पर कार्रवाई का सिलसिला लगातार जारी है। लगभग हर दूसरे दिन कहीं न कहीं लोकायुक्त रिश्वतखोर अधिकारी-कर्मचारियों को रिश्वत लेते हुए रंगेहाथों पकड़ रही है लेकिन इसके बावजूद रिश्वतखोर बाज आते नजर नहीं आ रहे हैं। ताजा मामला मध्यप्रदेश के शहडोल जिले का है जहां लोकायुक्त रीवा की टीम ने एक रिश्वतखोर एएसआई को रिश्वत लेते हुए रंगेहाथों पकड़ा है। शहडोल जिले के गंधिया गांव के रहने वाले फरियादी हरीदीन साहू ने 30 मार्च को लोकायुक्त कार्यालय रीवा में जयसिंहनगर थाना में पदस्थ सहायक उप निरीक्षक (एएसआई) एहसान खान के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। अपनी शिकायत में फरियादी ने बताया था कि उसके भाई श्रवण कुमार साहू की सड़क दुर्घटना में मौत के बाद विरोध प्रदर्शन करने पर पुलिस ने 18 लोगों पर चक्काजाम का मामला दर्ज किया था। इस प्रकरण में जमानत दिलाने के एवज में स्व. एहसान खान ने प्रति व्यक्ति 2500 रुपए की रिश्वत मांग उससे की है।लोकायुक्त की टीम ने शिकायत की जांच की और शिकायत सही पाए जाने पर गुरुवार को फरियादी हरीदीन साहू को रिश्वत के 2 हजार रुपये देने के लिए रिश्वतखोर एएसआई एहसान खान के पास भेजा। रिश्वत की रकम देने के लिए एएसआई ने फरियादी को अपने किराए के घर पर बुलाया। घर पर जैसे ही एएसआई एहसान खान ने रिश्वत के रुपये लिए तो लोकायुक्त की टीम ने उसे रंगेहाथों पकड़ लिया। लोकायुक्त टीम के मुताबिक ये भी पुष्टि हुई है कि एएसआई अन्य आरोपियों से भी पैसे की मांग कर रहा था। लोकायुक्त टीम ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

संभागायुक्त के सख्त निर्देश: मानकों के विरुद्ध दौड़ रही बसों पर कसेगा शिकंजा

बसों में पैनिक बटन और सीसीटीवी अनिवार्य नियमों के उल्लंघन पर होगी सख्त कार्रवाई

15 साल से पुरानी बसों के संचालन पर रोक

सागर। दोपहर मेट्रो

संभागायुक्त अनिल सुचारी ने यात्री बसों और स्कूल बसों के संचालन को लेकर दिशा-निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया है कि यात्री सुरक्षा, विशेषकर महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। नए नियमों के तहत अब सभी यात्री बसों में पैनिक बटन, सीसीटीवी कैमरा और आपातकालीन निकास की सुविधा होना अनिवार्य है। साथ ही अब संभाग में 15 वर्ष से अधिक पुरानी बसों के संचालन को प्रतिबंधित किया जाएगा। यह कदम पुरानी बसों के कारण होने वाली दुर्घटनाओं की आशंका को कम करने और बढ़ते प्रदूषण पर नियंत्रण पाने के उद्देश्य से उठाया गया है। बसों में चढ़ने और उतरने के लिए दो अलग-अलग दरवाजो का होना आवश्यक है। बसों की निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं और किसी भी आपात स्थिति के लिए पैनिक बटन की सुविधा सुनिश्चित करनी होगी। संभागायुक्त ने स्पष्ट किया है कि यदि किसी भी बस में अनधिकृत रूप से मॉडिफिकेशन (बदलाव) पाया गया, तो संबंधित के विरुद्ध कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

स्कूल बसों के लिए विशेष नियम, समय-समय पर हो संघन चैकिंग

स्कूल बसों की सुरक्षा को लेकर भी कड़े निर्देश दिए गए हैं। स्कूल बसों का उपयोग केवल शैक्षणिक कार्यों के लिए ही किया जाएगा; इनका उपयोग किसी अन्य व्यावसायिक या निजी कार्यों में पूरी तरह प्रतिबंधित होगा। साथ ही बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक स्कूल बस में एक प्रशिक्षित केयर टेकर का होना अनिवार्य कर दिया गया है। बसों का फिटनेस सर्टिफिकेट और सुरक्षा मानकों की समय-समय पर सघन जांच की जाएगी। संभागायुक्त सुचारी ने परिवहन विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे इन नियमों का जमीनी स्तर पर कड़ाई से पालन करवाएं और नियमित चेकिंग अभियान चलाएं ताकि यात्रियों का सफर सुरक्षित और सुगम हो सके।

स्वास्थ्य केंद्र में आग लगाने से पेड़ों को हो रहा नुकसान, जिम्मेदारों की भूमिका पर उठे सवाल

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर में स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रांगण में नवनिर्मित भवनों एवं नगर पंचायत परिसर के पास हाल ही में आग लगाए जाने की घटना सामने आई है। जानकारी के अनुसार, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सीबीएमओ द्वारा परिसर पहले कचरा जिसमें सूखे पत्ते फैले कचरे मै पास आग लगवाई गई, जिसके कारण वहां लगे कई पेड़ों और हरियाली को नुकसान पहुंचा है। आग की तपिश से पेड़ मुरझा व झुलस गए और आसपास का वातावरण प्रभावित हुआ।

स्थानीय लोगों एवं स्वास्थ्य विभाग के कुछ कर्मचारियों ने नाम न प्रकाशित करने की शर्त पर बताया कि इस प्रकार की कार्रवाई अनुचित है, विशेषकर गर्मी के मौसम में जब आग लगने का खतरा अधिक रहता है। उनका कहना है कि इस तरह की गतिविधियां न केवल

पर्यावरण के लिए हानिकारक हैं, बल्कि इससे किसी बड़ी दुर्घटना की संभावना भी बनी रहती है। घटना के बाद क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है कि आखिर जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा इस प्रकार का कदम क्यों उठाया गया। लोगों का मानना है कि सार्वजनिक संस्थानों के आसपास हरियाली को संरक्षित किया जाना चाहिए, न कि उसे नुकसान पहुंचाया इस मामले में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सीबीएमओ डॉ. अशोक बरानिया ने बताया कि आग उनके निर्देश पर लगवाई गई थी, लेकिन इससे किसी प्रकार का कोई नुकसान नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि स्थिति पूरी तरह नियंत्रित थी और किसी प्रकार की हानि की बात सही नहीं है।

जिला कार्यालय में नवनियुक्त एल्डरमैन का हुआ सम्मान

धार। दोपहर मेट्रो

जिले की विभिन्न नगर पालिका एवं नगर परिषद के नव-नियुक्त एल्डरमेनगणों का बुधवार को भाजपा जिला कार्यालय में स्वागत सम्मान समारोह आयोजित किया गया जिसमें भाजपा जिलाध्यक्ष महंत निलेश भारती, विधायक नीना वर्मा, पूर्व कैबिनेट मंत्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव, जिला पंचायत अध्यक्ष सरदारसिंह मेडा, सरदारपुर के पूर्व विधायक वेलसिह भूरिया विशेष रूप से उपस्थित रहे। धार और पीथमपुर नगर पालिका से छः -छः तथा बदनावर,सरदारपुर व राजगढ़ नगर परिषद् से चार -चार एल्डरमैन मनोनीत पार्षद नियुक्त किए गए है। नवनियुक्त एल्डरमैन का भाजपा नेताओं ने मंच पर साफा पहनाकर स्वागत किया। इन सभी 24 एल्डरमैन नियुक्ति में भाजपा जिला संगठन ने क्षेत्रीय सांसद व विधायक पूर्व विधायक समेत भाजपा वरिष्ठ नेताओ से समंवयक बनाकर सामाजिक वर्ग का विशेष ध्यान रखा गया।

धार नगर पालिका से हरनाम सिंह टोनी ठाकुर बलविंदर सिंह सन्नी होड़ा राजेश हारोड़ प्रीति विशाल राठौर प्रकाश यादव टामकिया सुरेश प्रजापत, पीथमपुर नगर पालिका से राजेश तिवारी हरि सिंह रघुवंशी लाखन चौधरी दिनेश पटेल शशि पाठक अनोकचंद बिरला, बदनावर नगर परिषद से मितेश शर्मा भूपेंद्र सिंह राठौर कपिल नाहर कन्हैया लाल गुर्जर, सरदारपुर नगर परिषद से राजेंद्र गर्ग झमन लाल चौधरी दिनेश मावी संजय सेठिया,राजगढ़ नगर परिषद से प्रफुल्ल जैन गणेश जी लाल शर्मा श्रीमती हेमलता नरेश मामा मनोज महेश्वरी नियुक्त किया गया है। भाजपा जिलाध्यक्ष महंत निलेश भारती ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि नगरीय निकायों में नव-नियुक्त एल्डरमैन साथियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। आप सभी को नगर के समग्र विकास, सुशासन और जनभागीदारी को बढ़ाने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने दी।

मेट्रो एंकर विद्यालय में सांस्कृतिक आयोजन, छात्राओं की कला देख अभिभावक हुए गदगद

मेहंदी, रंगोली और पेंटिंग में दिखी बच्चों की प्रतिभा, स्कूल चलें हम अभियान बना यादगार

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

बम्हौरी पाँजी मै स्थित पीएमश्री शासकीय एकीकृत माध्यमिक शाला में स्कूल चले हम अभियान के अंतर्गत दूसरे दिन विविध सांस्कृतिक गतिविधियों का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करना तथा अभिभावकों को विद्यालय से जोड़ना रहा।

इस अवसर पर छात्राओं के लिए मेहंदी प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें प्रतिभागियों ने अपने हाथों पर आकर्षक और मनमोहक डिज़ाइन उकेरकर अपनी कला का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में छात्राओं

का उत्साह देखते ही बनता था और प्रत्येक प्रतिभागी ने अपनी सृजनात्मकता से सभी को प्रभावित किया। इसके साथ ही आर्ट एंड क्राफ्ट गतिविधि के अंतर्गत रंगोली एवं पेंटिंग प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। लगभग 50 विद्यार्थियों ने कार्ड शीट पर स्केच पेन के माध्यम से सुंदर चित्र बनाकर अपनी कल्पनाशक्ति को साकार किया। वहीं, विद्यार्थियों द्वारा फर्श पर सजाई गई रंगोलियों ने विद्यालय परिसर को रंग-बिरंगा और आकर्षक बना दिया। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में उपस्थित अभिभावकों ने विद्यार्थियों की प्रतिभा को सराहा और विशेष रूप से अपनी बेटियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर गर्व व्यक्त किया। प्रतियोगिताओं ने न केवल बच्चों के आत्मविश्वास को बढ़ाया, बल्कि विद्यालय और अभिभावकों के बीच संबंधों को भी मजबूत किया। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधान अध्यापिका सहित समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं। उन्होंने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए भविष्य में भी ऐसे आयोजनों के माध्यम से उनकी प्रतिभा को निखारने का संकल्प व्यक्त किया।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, नर्मदा विकास संभाग क्रमांक-23, 59 अरेरा हिल्स, नर्मदा भवन, भोपाल (म.प्र.)

0755-2761257 E-mail:-eenvda23@gmail.com

निविदा सूचना क्र. 17/ व.ले.लि. - 23 / 2025-26/806 भोपाल, दिनांक : 01.04.2026

निविदा आमंत्रण सूचना

(द्वितीय आमंत्रण)

ई-टेण्डरिंग पद्धति द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिये आनलाईन निविदायें नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण की वेबसाईट https://www.mptenders.gov.in के माध्यम से आमंत्रित की जाती है।

निविदा की संक्षिप्त जानकारी निम्नानुसार है:

स. क्र.	नि.आ. सू.क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)	धरोहर की राशि (रूपये में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रूपये में)	ठेकेदारों की श्रेणी	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	17 (IInd Call)	नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण के मुख्यालय नर्मदा भवन में स्थापित 02 नग 08 पैसेन्जर लिफ्ट का वार्षिक मरम्मत का कार्य एक वर्ष के लिए	Rs. 3.98 लाख (रू. तीन लाख अन्ठान्वे हजार मात्र)	Rs. 7,960.00 (रू. सात हजार नौ सौ साठ मात्र)	Rs.2,000.00 (रू. दो हजार मात्र)	निर्माता Lift Company अथवा निर्माता Lift Company द्वारा अधिकृत Dealer/Agent/ Service Provider एवं मुख्य निरीक्षक म.प्र. शासन द्वारा जारी अ श्रेणी का विद्युत ठेकेदारी का वैध पंजीयन प्रमाण-पत्र	01 वर्ष (वर्षाकाल सहित)

1. निविदा कार्य के प्रपत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि दिनांक 16.04.2026, 17: 30 तक
2. धरोहर राशि एवं अर्हता दस्तावेज वेब साईट पर खोलने की अनुमानित तिथि दिनांक 21.04.2026, 10: 30

निविदा प्रपत्र केवल उपरोक्त वेबसाईट से निविदा मूल्य डेबिट कार्ड / इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से जमा कर क्रय किये जा सकते है। निविदा की विस्तृत जानकारी एवं संशोधन के लिये वेबसाईट www.mptenders.gov.in का अवलोकन करें।

G-11060/26

कार्यपालन यंत्री,
नर्मदा विकास संभाग क्रमांक 23, 59 अरेरा हिल्स, नर्मदा भवन, भोपाल

संजीव गोयनका की टीम में कप्तानी आसान नहीं...

महेन्द्र सिंह धोनी, फिर केएल राहुल और अब ऋषभ पंत, हर बार होती है तनातनी

लखनऊ , एजेंसी

लखनऊ सुपर जायंट्सकी शुरुआत इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में बेहद निराशाजनक रही। अपने घरेलू मैदान पर दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेले गए मुकाबले में 1 अप्रैल को टीम को 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। कमजोर बल्लेबाजी और खराब शुरुआत चिंता का कारण बनी, लेकिन संजीव गोयनका ने टीम और कप्तान पर भरोसा जताया। वहीं इस मैच के बाद जो सीन सामने आए, उसने रूस्त की हार से ज्यादा सुर्खियां बटोरीं। टीम के मालिक संजीव गोयनका कप्तान ऋषभ पंत और हेड कोच जस्टिन लैंगर मैदान पर बातचीत करते नजर आए। यह बातचीत काफी एनिमेटेड लगी, हालांकि ऑडियो उपलब्ध नहीं था। उनके पास में टॉम मूडी भी दिखे जो टीम के डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट हैं। पिछले साल लखनऊ के पहले मैच के बाद भी गोयनका की पंत के साथ ही इसी तरह की बातचीत चर्चा में रही थी। वहीं केएल राहुल के साथ भी ऐसे ही संजीव गोयनका की तनातनी हुई थी। धोनी को भी संजीव गोयनका कप्तानी से हटा चुके हैं।

याद आया केएल राहुल वाला किस्सा- 1 अप्रैल को मैच के बाद गोयनका और पंत की बातचीत का वीडियो वायरल होते ही फैन्स को 2024 का वो वाकया याद आ गया, जब गोयनका की केएल राहुल के साथ मैदान पर तीखी बातचीत हुई थी। उस समय भी यह मामला काफी चर्चा में रहा था। हालांकि, उस घटना के बाद संजीव गोयनका ने केएल राहुल को डि?नर पर बुलाया था र ऐसा कहा गया कि वो तल्खी खत्म हो गई है। यह मुलाकात तब दि?ल्ली में संजीव गोयनका के आवास पर हुई थी।

जब धोनी को कप्तानी से संजीव गोयनका ने हटाया- बात 2016-17 IPL सीजन की है, तब पुणे सुपरजायंट्स टीम के मालि?क संजीव गोयनका थे। एमएस धोनी 2016 में टीम के कप्तान थे, लेकिन टीम का प्रदर्शन खराब रहा और तब उनकी कप्तानी में 14 मैचों में सिर्फ 5 जीत दर्ज कर सकीं और आठ टीमों में 7वें स्थान पर रही। तब उनके बल्ले से 14 मैचों में 284 रन आए और उन्होंने 8 कैच और 4 स्टम्प भी किए। 2017 सीजन से पहले संजीव गोयनका ने धोनी को कप्तानी से हटा दिया और ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी स्टीव स्मिथ को नया कप्तान बनाया।

स्मिथ की कप्तानी में फाइनल तक पहुंची एलएसजी

2017 में स्मिथ की कप्तानी में एलएसजी फाइनल तक पहुंची, लेकिन धोनी ने खिलाड़ी के रूप में 16 मैचों में 290 रन बनाए थे और 10 कैच व 3 स्टम्प भी किए।आरपीएस सिर्फ दो सीजन खेली (CSK और RR पर बैन के दौरान) और फिर बंद हो गई। अब संजीव गोयनका लखनऊ सुपर जायंट्स के मालिक हैं। वहां भी वे केएल राहुल और ऋषभ पंत जैसे कप्तानों के साथ पब्लिक में गर्मागर्म चर्चा के लिए चर्चा में रहे, अब ऋषभ पंत के साथ जब 1 मार्च को जब गोयनका ने चर्चा की तो पुराने धोनी वाले एपिसोड से फैन्स इसे जोड रहे हैं। धोनी और गोयनका के बीच कोई पब्लिक बहस की वीडियो या रिपोर्ट नहीं है, मुख्य मुद्दा कप्तानी हटाना और उसके तरीके को लेकर था। गोयनका ने बाद में इंटरव्यू में धोनी की तारीफ भी की थी। धोनी ने RPS की कप्तानी 2016 में की थी और टीम सातवें नंबर पर रही थी। वहीं केएल राहुल ने 2022 से 2024 के बीच लखनऊ की कप्तानी संभाली। 2022 और 2023 में लखनऊ की टीम तीसरे नंबर पर रही। 2024 में लखनऊ की टीम सातवें नंबर पर खिसक गई।

लखनऊ की टीम आईपीएल 2026 में करेगी कमबैक

हालांकि, इस बार गोयनका का रुख सार्वजनिक तौर पर शांत दिखा. उन्होंने ङ्क (ट्विटर) पर लिखा- सीजन लंबा है, ऐसे पल टीम को मजबूत बनाते हैं. मुझे अपने कप्तान और टीम पर पूरा भरोसा है. हम वापसी करेंगे.

पंत का रोल अभी तय नहीं, क्या आईपीएल में आगे ओपनिंग करेंगे?

मैच के बाद पंत ने खुद स्वीकार किया कि ओपनिंग करना या नहीं, इस पर अभी फैसला पक्का नहीं है. उन्होंने कहा- ये 50-50 कॉल है. इस मैच में पंत ओपनिंग करने उतरे थे, लेकिन सिर्फ 7 रन बनाकर रन आउट हो गए.

एलएसजी-डीसी के मुकाबले में क्या हुआ?

एलएसजी की बल्लेबाजी पूरी तरह नाकाम रही. टीम सिर्फ 141 रन पर सिमट गई. पंत 7 रन, एडेन मार्करम 11 रन और निकोलस पूरन 8 रन बनाकर ले आए. शुरुआत से ही टीम दबाव में दिखी और कोई भी बड़ा स्कोर खड़ा नहीं कर सका. दिल्ली कैपिटल्स ने लक्ष्य का पीछा करते हुए शानदार प्रदर्शन किया. समीर रिजवी ने नाबाद 70, ट्रिस्टन स्टब्स नाबाद 39 बनाए. इन दोनों की बेहतरीन बल्लेबाजी के दम पर दिल्ली ने 2.5 ओवर पहले ही मैच खत्म कर दिया.

पंजाब के खिलाफ लय हासिल करने की कोशिश करेगा चेन्नई

चेन्नई, एजेंसी

चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के लिए अपना घरेलू मैदान मजबूत गढ़ रहा है, लेकिन पंजाब किंग्स के खिलाफ शुक्रवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में जीत हासिल करने के लिए उसे खेल के प्रत्येक विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। सीएसके की राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ पहले मैच में शुरुआत निराशाजनक रही थी। युवा खिलाड़ियों से भरी उसकी टीम गुवाहाटी में किसी भी विभाग में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई और उसे करारी हार का सामना करना पड़ा। सीएसके अब उस हार को भुलाकर नए सिरे से अपना अभियान शुरू करने की कोशिश करेगा। हाल ही में हुए टी-20 विश्व कप के दौरान चेन्नई की पिच के व्यवहार को को देखते हुए यह बल्लेबाजी के लिए अच्छा विकेट होना चाहिए। सीएसके के स्टार खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी गुवाहाटी नहीं गए थे क्योंकि वह पिंडली की चोट से उबर रहे हैं। उनका हालांकि पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच के दौरान डगआउट में रहने की संभावना है जिससे कप्तान रुतुराज गायकवाड़ को काफी फायदा मिलेगा।

संजू सैमसन सीएसके के लिए अपने पहले मैच में खास प्रभाव नहीं छोड़ पाए थे और वह इसकी भरपाई करने के लिए बेताब होंगे।

पंजाब की गेंदबाजी मजबूत

जहां तक पंजाब किंग्स का सवाल है तो उसने कुछ विषम परिस्थितियों से गुजरने के बाद गुजरात टाइटंस के खिलाफ जीत हासिल की। उसे ऑस्ट्रेलिया के कूपर कॉनॉली के रूप में तीसरे नंबर का भरोसेमंद बल्लेबाज मिल गया है। उन्होंने पिछले मैच में टीम को खराब शुरुआत से उबारकर जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। पंजाब किंग्स की गेंदबाजी भी मजबूत नजर आ रही है। अनुभवी स्पिनर युजवेंद्र चहल ने टाइटंस के खिलाफ अपनी लाइन और गति में विविधता से प्रभावित किया। उन्होंने बीच के ओवरों में रन प्रवाह रोका और दो महत्वपूर्ण विकेट लिए। उन्हें तेज गेंदबाज विजयकुमार वैशाक का अच्छा सहयोग मिला।

बॉल टेम्परिंग विवाद में नया मोड, फखर जमां ने पीसीबी के खिलाफ खोला मोर्चा

लाहौर, एजेंसी

पाकिस्तान सुपर लीग 2026 में एक बड़ा विवाद सामने आया है, जब पाकिस्तानी बल्लेबाज फखर जमां को गेंद से छेड़छाड़ (बॉल टेम्परिंग) के आरोप में दो मैचों के लिए सस्पेंड कर दिया गया. इस कार्रवाई की पुष्टि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने की थी. पीसीबी के अनुसार, फखर ने कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.14 के तहत लेवल-3 का अपराध किया. पीसीबी ने जांच पूरी कर फखर को दोषी ठहराया और उन पर दो मैचों का प्रतिबंध लगा दिया.

वैसे ये पूरा मामला अभी समाप्त नहीं हुआ है. जियो न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक फखर जमां ने किसी भी तरह की गड़बड़ी से साफ इनकार किया है. उन्होंने अपने ऊपर लगे बॉल टेम्परिंग के आरोपों को गलत बताते हुए पीसीबी के फैसले को चुनौती दी है. पूरे मामले की सुनवाई मैच रेफरी रोशन महानामा की निगरानी में हुई, जहां सभी सबूतों की जांच के बाद अंतिम फैसला सुनाया गया. इस दौरान फखर जमां को व्यक्तिगत रूप से अपना पक्ष रखने का मौका भी दिया गया. इस सुनवाई में लाहौर कलंदर्स के कप्तान शाहीन आफरीदी, टीम डायरेक्टर समीन राणा और टीम मैनेजर फारूक अनवर भी मौजूद रहे. पूरे मामले में ऑन-फील्ड अंपायर्स शाहिद सैकत और फैसल खान आफरीदी, टीवी अंपायर आसिफ याकूब और चौथे अंपायर तारिक राशिद ने आरोप लगाए थे.

आखिर क्या है पूरा विवाद? | यह घटना रविवार को लाहौर कलंदर्स और कराची किंग्स के बीच खेले गए मुकाबले के दौरान हुई. मुकाबले के दौरान कराची किंग्स की पारी के अंतिम ओवर से ठीक पहले अंपायरों को गेंद की स्थिति संदिग्ध लगी. इसके बाद ऑन-फील्ड अंपायरों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए लाहौर कलंदर्स पर 5 रनों की पेनल्टी लगाई और गेंद को बदल दिया.

पिता योगराज के बयानों पर पहली बार खुलकर बोले युवराज

पूर्व क्रिकेटर ने धोनी-कपिल देव से मांगी माफी

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने कपिल देव और महेंद्र सिंह धोनी से माफी मांगी है. यह माफी युवराज के पिता योगराज सिंह द्वारा वर्षों से दिए जा रहे विवादित बयानों को लेकर आई है. दरअसल, योगराज सिंह लंबे समय से पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी पर आरोप लगाते रहे हैं कि उन्होंने युवराज को भारतीय टीम से बाहर कराया. हालांकि, युवराज ने हमेशा इन विवादों से दूरी बनाए रखी और सार्वजनिक रूप से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी थी. सिर्फ एमएस धोनी ही नहीं, योगराज सिंह ने पूर्व भारतीय कप्तान कपिल देव पर भी गंभीर आरोप लगाए थे. उन्होंने दावा किया था कि 1980 के दशक में उनके करियर को कपिल ने नुकसान पहुंचाया. यहां तक कि एक चौंकाने वाले बयान में योगराज ने यह भी कहा था कि वह एक बार कपिल देव के घर पिस्टल लेकर पहुंच गए थे. हालांकि कपिल देव ने इन आरोपों पर ज्यादा प्रतिक्रिया नहीं दी और मामले को बढ़ाने से बचते रहे.

स्पोर्ट्स तक के एक टीजर वीडियो में युवराज सिंह ने कहा, मैं कपिल देव और एमएस धोनी से माफी मांगना चाहता हूं. उन्होंने यह भी साफ किया कि वह अपने पिता के बयानों से सहमत नहीं हैं और इस बारे में उन्होंने उन्हें समझाया भी है. युवराज ने कहा, ÷मैंने डैड से कहा है कि यह ठीक नहीं है. हालांकि हाल के समय में योगराज सिंह का रुख कुछ नरम पड़ा है. उन्होंने एमएस धोनी की तारीफ करते हुए कहा कि वह चाहते हैं कि धोनी लंबे समय तक खेलते रहें. वहीं पूर्व चयनकर्ता संदीप पाटिल ने भी साफ किया था कि युवराज को टीम से बाहर करने का फैसला चयनकर्ताओं का था, ना कि धोनी का.

युवराज ने यह भी किया खुलासा

युवराज सिंह ने यह भी खुलासा किया कि 2017 में जब वह टीम में वापसी कर रहे थे, तब एमएस धोनी ने उन्हें साफ तौर पर उनकी भूमिका के बारे में बताया था. इससे उन्हें अपने भविष्य को लेकर स्पष्टता मिली और अंततः 2019 में उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया. यह पूरा मामला अब एक बार फिर चर्चा में आ गया है, लेकिन युवराज सिंह के इस कदम ने विवाद को शांत करने की दिशा में एक सकारात्मक पहल जरूर की है. यह बयान युवराज के लंबे समय बाद आने वाले एक पॉडकास्ट का हिस्सा है, जिसमें उन्होंने कई मुद्दों पर खुलकर बात की है. टीजर में वह विराट कोहली, रोहित शर्मा, संजू सैमसन, ऋषभ पंत और युवा स्टार वैभव सूर्यवंशी जैसे खिलाड़ियों पर भी अपनी राय रखते नजर आए. युवराज सिंह का यह बयान ना सिर्फ एक माफी है, बल्कि एक परिपक्व और जिम्मेदार खिलाड़ी की सोच को भी दर्शाता है. उन्होंने साफ कर दिया कि वह विवादों से दूर रहकर रिश्तों और सम्मान को प्राथमिकता देते हैं.

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

अजय देवगन के बर्थडे पर रोहित शेट्टी का खास सरप्राइज

दिखी 30 साल पुरानी दोस्ती की झलक

मुंबई । बॉलीवुड में कुछ रिश्ते ऐसे होते हैं जो सिर्फ काम तक सीमित नहीं रहते, बल्कि समय के साथ एक मजबूत दोस्ती में बदल जाते हैं। ऐसा ही एक रिश्ता है सुपरस्टार अजय देवगन और मशहूर फिल्ममेकर रोहित शेट्टी के बीच। अजय देवगन के 57वें जन्मदिन के मौके पर रोहित शेट्टी ने एक खास अंदाज में उन्हें शुभकामनाएं दीं। रोहित शेट्टी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसे दो हिस्सों में बांटा गया था। इस वीडियो की शुरुआत उनके पुराने दिनों से होती है। इसमें फिल्म %राजू चाचा% के सेट की झलक दिखाई गई है, जहां रोहित शेट्टी असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर काम कर रहे थे। वीडियो में वह अजय देवगन को सीन समझाते नजर आते हैं। उस समय अजय फिल्म के लीड एक्टर थे और उनके साथ काजोल और ऋषि कपूर भी फिल्म का हिस्सा थे। वीडियो का दूसरा हिस्सा वर्तमान समय को दिखाता है, जहां रोहित और अजय एक सफल जोड़ी के रूप में नजर आते हैं। इसमें उनकी सुपरहिट फिल्मों सिंघम, सूर्यवंशी और गोलमाल के सेट की झलक दिखाई गई है। इन क्लिप्स में दोनों को साथ में काम करते हुए देखा जा सकता है। रोहित शेट्टी ने इस वीडियो के साथ एक छोटा सा कैप्शन भी लिखा। उन्होंने लिखा, ÷90 के दशक की भागदौड़ से आज तक। कम शब्द, ज्यादा एक्शन। जन्मदिन मुबारक हो, बड़े भाई।÷

जैकी श्राफ ने भी दी शुभकामनाएं

जैकी श्रॉफ ने भी अजय देवगन को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अजय की एक स्टाइलिश तस्वीर शेयर की, जिसमें वह ऑल-ब्लैक आउटफिट में नजर आ रहे हैं। जैकी ने अपने पोस्ट में सिर्फ हैप्पी बर्थडे लिखा। साथ में हार्ट इमोजी का भी इस्तेमाल किया। अगर रोहित शेट्टी और अजय देवगन की जोड़ी की बात करें, तो यह बॉलीवुड की सबसे सफल जोड़ियों में से एक मानी जाती है। दोनों पिछले 30 साल से साथ काम कर रहे हैं। उन्होंने कई गोलमाल और सिंघम जैसी सुपरहिट फिल्में दी हैं। इन फिल्मों ने न सिर्फ बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई की, बल्कि दर्शकों के दिलों में भी खास जगह बनाई। इसके अलावा अजय देवगन ने सिम्बा में भी कैमियो किया था, जिसमें रणवीर सिंह मुख्य भूमिका में नजर आए थे

धुरंधर 2 की आंधी से डरी अक्षय की भूत बंगला, मेकर्स ने बदली रिलीज डेट

बॉक्स ऑफिस पर इस समय धुरंधर 2 का ऐसा तूफान चल रहा है कि बड़े-बड़े स्टार्स अपनी फिल्मों को बचाने की जद्दोजहद में जुट गए हैं। इसी कड़ी में बॉलीवुड के खिलाड़ी अक्षय कुमार और दिग्गज डायरेक्टर प्रियदर्शन की मचअवेटेड फिल्म क्रभूत बंगला को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है। पहले यह फिल्म 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली थी, लेकिन अब 17 अप्रैल को रिलीज होगी। रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर 2 की बॉक्स ऑफिस पर धुआंधार कमाई और जबरदस्त क्रेज को देखते हुए भूत बंगला के मेकर्स ने पीछे हटने का फैसला किया है। अब यह फिल्म 10 के बजाय 17 अप्रैल को रिलीज होगी। मेकर्स ने इसकी आधिकारिक घोषणा कर दी है, ताकि फिल्म को सोलो रिलीज का फायदा मिल सके और वह धुरंधर की सुनामी से बच सके। अक्षय कुमार की भूत बंगला को आगे बढ़ाने की सबसे बड़ी वजह धुरंधर 2 की वह रफ्तार है, जिसने पिछले सारे रिकॉर्ड्स को खतरे में डाल दिया है। मेकर्स ने इसे लेकर सोशल मीडिया पर लिखा, हमारे डिस्ट्रीब्यूटर्स और एग्जिबिटर्स के साथ एक बातचीत के बाद, हमने भूत बंगला के लिए एक नई रिलीज डेट तय की है - 16 अप्रैल, जिसका पहला शो रात 9 बजे शुरू होगा धुरंधर- द रिवेंज का जबरदस्त प्रदर्शन हमारी फिल्म इंडस्ट्री के लिए एक बहुत अच्छी खबर है, और एग्जिबिटर्स का मानना है कि इस बदलाव से दोनों फिल्मों को वह जगह, फोकस और ध्यान मिल पाएगा, जिसकी वे हकदार हैं भूत बंगला की टीम 16 अप्रैल को रात 9 बजे से सिनेमाघरों में आपका स्वागत करने के लिए उत्सुक है।

मेट्रो बाजार

केंद्र सरकार का बड़ा फैसला
महत्वपूर्ण पेट्रोकेमिकल उत्पादों पर कस्टम ड्यूटी पूरी तरह माफ

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने पश्चिम एशिया में जारी तनाव और वैश्विक सप्लाई चेन में आई बाधाओं के बीच महत्वपूर्ण पेट्रोकेमिकल उत्पादों पर 30 जून 2026 तक पूरी कस्टम ड्यूटी छूट देने का फैसला किया है। वित्त मंत्रालय ने गुरुवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यह कदम एक अस्थायी और लक्षित राहत के रूप में उठाया गया है, ताकि देश में जरूरी पेट्रोकेमिकल कच्चे माल की उपलब्धता बनी रहे, डाउनस्ट्रीम उद्योगों पर लागत का दबाव कम हो और सप्लाई स्थिर बनी रहे। सरकार के अनुसार, इस छूट का फायदा उन कई सेक्टर्स को मिलने की उम्मीद है जो पेट्रोकेमिकल उत्पादों पर निर्भर हैं, जैसे प्लास्टिक, पैकेजिंग, टेक्सटाइल, फार्मास्युटिकल, केमिकल, ऑटो कंपोनेंट्स और अन्य मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर्स। सरकार का कहना है कि इससे अंतिम उत्पादों के उपभोक्ताओं को भी राहत मिलने की उम्मीद है। इस सूची में शामिल प्रमुख पेट्रोकेमिकल उत्पादों में एनहाइड्रस अमोनिया, टोल्यून, स्टाइरीन, डाइक्लोरोमीथेन (मेथिलीन क्लोराइड), विनाइल क्लोराइड मोनोमर, मेथनॉल , आइसोप्रोपिल अल्कोहल, मोनोएथिलीन ग्लाइकोल और फिनोल आदि शामिल हैं। इसके अलावा, एसिटिक एसिड, विनाइल एसीटेट मोनोमर, प्योरिफाइड टेरेफ्थेलिक एसिड (पीटीए), अमोनियम नाइट्रेट, एथिलीन के पॉलिमर (जिसमें एथिलीन-विनाइल एसीटेट शामिल है)।

भारत में सिस्टमैटिक क्रेडिट ग्रोथ वित्त वर्ष 27 में 13.5 प्रतिशत रहने का अनुमान -रिपोर्ट

नई दिल्ली । भारत की सिस्टमैटिक क्रेडिट ग्रोथ (मार्च 15 तक) 13.8 प्रतिशत रही है और इसके वित्त वर्ष 27 13.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। इसे लिक्विडिटी और जीएसटी में कटौती के बाद उपभोग आधारित खपत से सपोर्ट मिल रहा है। यह जानकारी गुरुवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज की रिपोर्ट में कहा गया है कि बैंकों के पास अपने क्रेडिट-टू-डिपॉजिट (सीडी) अनुपात को और बढ़ाने की गुंजाइश है क्योंकि जमा वृद्धि 10.8 प्रतिशत पर स्थिर है जबकि तेज क्रेडिट वृद्धि के साथ सीडी अनुपात बढ़कर 83 प्रतिशत हो गया है। रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया कि डिपॉजिट दर के कम रहने से बैंकों को कम ब्याज दरों पर फंड जुटाना एक चुनौती बन रहा है। इस कारण से हमें उम्मीद है कि सावधि जमा (एफडी) पर ब्याज दरें समान रहेंगी।

ब्रोकरेज फर्म ने कहा कि कैश रिजर्व रेशियो में कटौती और भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा एलसीआर-एनएसएफआर ढांचे के समर्थन से सीडी अनुपात में विस्तार को बढ़ावा मिलेगा, जिससे सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को अधिक लाभ होने की संभावना है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में सिस्टमैटिक क्रेडिट ग्रोथ वित्त वर्ष 27 में 13.5 प्रतिशत के करीब रहने का अनुमान है। वहीं, डिपॉजिट ग्रोथ 11.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। शुद्ध ब्याज मार्जिन सीमित दायरे में रहने की उम्मीद है, जिसमें मध्यम आकार के बैंकों के मार्जिन में वृद्धि दर्ज करने की बेहतर संभावना है। रिपोर्ट में कहा गया है, ÷दिसंबर 2025 में रेपो दर में 25 बीपीएस की कटौती का असर चौथी तिमाही में ऋण दर संचरण में पूरी तरह से दिखने की उम्मीद है। परिणामस्वरूप, वित्तपोषण लागत अधिक बनी हुई है, और अधिकांश बैंकों ने हालिया दर कटौती के बाद अपनी टीडी/एसए दरों में कमी नहीं की है।

अर्बन नक्सलियों के दखल का नतीजा... नाकाम रहे थे सुरक्षा बलों के दो अभियान

बस्तर से लौटकर राजेश सिरोठिया

नक्सलियों के खिलाफ दो जनजागृति अभियान चले। पहला 1990 में जब मप्र अविभाजित था और दूसरा जून 2005 से जब डा. रमन सिंह भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री थे। पहले का नाम था रेती कुली संगम और दूसरा सलवा जुडूम । 1990 के अभियान के दौरान सुंदरलाल पटवा सरकार में तत्कालीन पुलिस महानिदेशक सुरेंद्र विक्रम सिंह प्रमुख भूमिका में थे। लेकिन यह गैर आदिवासियों के बढ़ते दखल के चलते विफल हो गया। दूसरे यानि डॉ रमन सिंह के जलवा जुडूम पर अर्बन नक्सलियों की अदालती कवायद भारी पड़ी। इसके चलते सुप्रीम कोर्ट के फैसले के कारण अभियान थम गया। इसके बाद नक्सली पूरी तरह से आजाद थे और उन्होंने पूरे बस्तर में जमकर कहर बरपाया।

पहले बात करते हैं रेती कुली संगम की। इसमें आदिवासियों को शामिल करके गांव - गांव में समितियां बनाई गईं । इसमें छत्तीसगढ़ के धाकड़ नेता महेंद्र कर्मा ने आदिवासियों और नक्सलियों के बीच दूरी बढ़ाने की मुहिम चलाई थी। लेकिन सुरेंद्र विक्रम सिंह का कार्यकाल नौ महीने का था। उनके रिटायर होते ही यह अभियान ठंडा पड़ गया। इसके बाद आदिवासियों के रेती कुली संगमों पर गैर आदिवासियों की घुसपैठ हो गई और आदिवासियों के शोषण

लाल आतंक का खात्मा

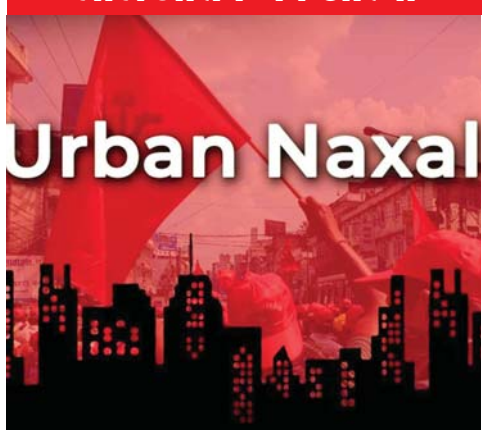

का सिलसिला तेज हो गया । इसके चलते भोले भाले आदिवासी फिर नक्सलियों की तरफ मुड़ गए।

बात करें रमन सिंह सरकार के दौरान छेड़े गए सलवा जुडूम की तो उसकी कहानी भी दिलचस्प हैं। 4 जून 2005 को बीजापुर जिले के ग्राम कुटरू से यह मुहिम शुरू हुई। इसमें भी अहम किरदार कांग्रेस के महेंद्र कर्मा और भाजपा के धाकड़ आदिवासी नेता बलिराम कश्यप और उनके परिवार ने निभाया । इस अभियान के तहत आदिवासी ग्रामीणों को नक्सलियों से लडने के लिए तैयार किया गया। उन्हें स्पेशल पुलिस ऑफिसर का दर्जा मिला और हथियार भी दिए गए। लेकिन, कुछ खबरें ऐसी भी आईं कि कतिपय एसपीओ ने आदिवासियों के साथ जुल्म शुरू कर दिया। रायपुर से लेकर दिल्ली तक में बैठे अर्बन नक्सलियों ने इसे बड़ा मुद्दा बनाया और इसे मीडिया में बढ़ा चढ़ाकर पेश किया। मानव अधिकारों की गुहार लगाते हुए राष्ट्रीय आयोग का रूख भी किया।

इस बीच इस अभियान से बौखलाए माओवादियों ने 26 सिंतबंर 2009 को भानपुरी थाना क्षेत्र में बलिराम कश्यप के पैतृक गांव पैरगुड़ा में उनके एक बेटे तानसेन कश्यप को मार डाला तथा दूसरे बेटे दिनेश कश्यप को बुरी तरह जख्मी कर दिया। उनके तीसरे बेटे और राज्यमंत्री केदार कश्यप इसीलिए बच गए क्योंकि वे गांव के शीतला माता मंदिर में पूजा करके थोड़ी ही देर पहले वहां से चले गए थे। 2010 में नक्सलियों ने सीआपीएफ के 76 जवानों को भी घात लगाकर मारा और हथियार लूटे। 2010 में ही राजनांदगांव के एसपी विनोद चौबे भी शहीद हुए।

(जारी)

सोनिया और राहुल की फटकार से डर गए थे रमन सिंह !

बस्तर में नक्सली पूरे आक्रामक अंदाज में दिख रहे थे तो उनके संरक्षक बने तथाकथित अर्बन नक्सली दिल्ली में सुप्रीम कोर्ट मे भी दस्तक दे चुके थे । 5 जुलाई 2011 को देश की सर्वोच्च अदालत ने उनकी दलीलों को मानते हुए सलवा जुडूम को यह कहकर अवैध घोषित कर दिया कि एसपीओ को हथियार देना असंवैधानिक है। यह मुहिम तो रूक गई लेकिन 25 मई 2013 को दोपहर बाद हुए झीरम घाटी हमले में माओवादियों ने सुकुमा में परिवर्तन रैली से लौटते विद्याचरण शुक्ल , नंदकुमार पटेल सहित कांग्रेस के कई बड़े नेताओं और बस्तर टाइगर कहे जाने वाले महेंद्र कर्मा की निर्मम हत्या करके उनसे अपना हिसाब पूरा कर लिया। पूरे देश में इसको लेकर हंगामा हुआ। यूपीए की तत्कालीन केंद्र सरकार ने एनआइए को जांच के लिए भेजा। मानपुर के बाद पखांजुर के टीआई और भानपुर के डीएसपी रहे रह चुके रवींद्र उपाध्याय को केशलूर का एसडीओपी बनाकर भेजा गया ताकि एनआईए की जांच में मदद कर सकें। लेकिन, यह सवाल आज भी मौजू है कि माओवादियों ने कांग्रेस के इन नेताओं को निशाना बनाने बनाते समय विधायक कवासी लकमा को क्यों छोड़ दिया? दस जनपथ के करीबी रहे अजीत जोगी परिवार की भूमिका क्या थी? माओवादी मोबाईल फोन से किससे निर्देश प्राप्त करके चुन- चुन कर कांग्रेसी नेताओं को ठिकाने लगा रहे थे? उपाध्याय बताते हैं कि इस हादसे के बाद सोनियां गांधी से लेकर राहुल गांधी तक ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह को जमकर फटकार लगाई थी। इससे रमन सिंह डर गए। उन्हें लगा कि यूपीए सरकार उनको बर्खास्त कर देगी । बाद में उन्होंने इस पूरे घटनाक्रम पर मिट्टी डालने की नीति अपनाई।

ट्रंप ने कार्यकारी आदेश पर किए हस्ताक्षर

अमेरिका में विदेशी दवाओं पर अब लग सकता है 100% तक टैरिफ

वॉशिंगटन, एजेंसी

ट्रंप ने विदेशी दवाओं पर 100% तक टैरिफ लगाने का आदेश जारी किया। यह उन दवाओं पर लागू होगा जिनमें अमेरिकी कंपनियों के साथ कीमत समझौता नहीं या अमेरिका में उत्पादन नहीं हो रहा। समझौता करने वाली कंपनियों पर कोई टैरिफ नहीं होगा। दूसरी ओर जिन कंपनियों ने समझौता नहीं किया, उन पर 20% टैरिफ, जो चार साल में बढ़कर 100% होगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक नया कार्यकारी आदेश जारी किया, जिसके तहत विदेशी दवाओं पर 100 प्रतिशत तक की आयात दर (टैरिफ) लगाने का रास्ता खुल गया है। यह आदेश उन दवाओं पर लागू होगा जिनके लिए अमेरिकी कंपनियों के साथ विशेष कीमत समझौता नहीं होगा या जिनकी उत्पादन इकाइयां अमेरिका में नहीं बनाई जा रही हैं। जो कंपनियां अमेरिका में उत्पादन सुविधाएं बना रही हैं और कीमत समझौता कर चुकी हैं, उनके लिए कोई टैरिफ नहीं लगेगा।दूसरी ओर जिन कंपनियों ने समझौता नहीं किया लेकिन अमेरिका में उत्पादन कर रही हैं, उन पर 20 प्रतिशत टैरिफ लगेगा, जो चार साल में बढ़कर 100 प्रतिशत हो जाएगा। प्रशासन ने कंपनियों को 120 से 180 दिनों तक बातचीत करने का समय दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि यह कदम राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जरूरी है क्योंकि विदेशी दवाओं और उनकी सामग्री पर अमेरिका निर्भर है।

आदेश की आलोचना भी हो रही

बता दें कि इस आदेश पर आलोचना भी हो रही है। फार्मास्युटिकल ट्रेड समूह PhRMA के सीईओ स्टीफन जे उब्ल ने चेतावनी दी कि इससे दवाइयों की कीमत बढ़ सकती है और अमेरिकी निवेश पर असर पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि अमेरिका में पहले से ही बायोफार्मास्युटिकल उत्पादन मजबूत है और ज्यादातर दवाएँ भरोसेमंद देशों से आती हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने टैरिफ किया था रद्द

गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट ने फरवरी में कुछ पुराने टैरिफ को रद्द कर दिया था, लेकिन ट्रंप ने अब सेक्टर-विशेष और उत्पाद-विशेष टैक्स का सहारा लेकर आयात पर दबाव जारी रखा है। उनका कहना है कि इससे अमेरिका की चोरी हुई संपत्ति वापस आएगी, व्यापार घाटा घटेगा और उत्पादन देश में लौटेगा।कुल मिलाकर ट्रंप का यह कदम अमेरिकी कंपनियों को प्रोत्साहित करने, विदेशी दवाओं पर निर्भरता कम करने और अमेरिका में उत्पादन बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम है, लेकिन इसके परिणाम वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला और उपभोक्ता कीमतों पर भी पड़ सकते हैं।

धातुओं, स्टील के आयात पर भी टैरिफ

इसके साथ ही ट्रंप ने धातुओं, स्टील, एल्यूमिनियम और तांबे के आयात पर 50 प्रतिशत टैरिफ का अपडेट भी किया। अब इन धातुओं और उनके मिश्रित उत्पादों के लिए टैरिफ उनकी पूरी कीमत पर लागू होगा। जिन उत्पादों में 15 प्रतिशत से कम धातु है, उनके लिए देश-विशेष टैरिफ लागू होंगे, और जिनमें अधिक है, उनके लिए 25 प्रतिशत टैरिफ लगेगा। ये नए आदेश ट्रंप की मौजूदा कड़ी व्यापार नीति का हिस्सा हैं।

तमिलनाडु-पुदुचेरी में बीजेपी का तूफानी चुनाव प्रचार, पीएम की जनसभाएं

चेन्नई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार से तमिलनाडु और पुदुचेरी के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगे। यहां वे विधानसभा चुनावों के लिए एनडीए उम्मीदवारों के समर्थन में जनसभा और रोड शो करेंगे। इस दौरान वे पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ चुनावी रणनीति पर चर्चा भी करेंगे। तमिलनाडु और पुदुचेरी में होने वाले विधानसभा चुनावों को देखते हुए यह दौरा काफी अहम है।प्रधानमंत्री शुक्रवार दोपहर चेन्नई हवाई अड्डे पर उतरेंगे। वहां से वे सीधे पुदुचेरी जाएंगे। पुदुचेरी में शाम को वे एक बड़ी जनसभा को संबोधित करेंगे। यह सभा 9 अप्रैल को होने वाले मतदान के लिए भाजपा और सहयोगी दलों के उम्मीदवारों के समर्थन में आयोजित की जा रही है।

डिप्टी लीडर पद से हटाए जाने के बाद बोले आप नेता

खामोश करवाया गया हूं, हारा नहीं हूंः राघव चड्ढा

नई दिल्ली, एजेंसी

आम आदमी पार्टी द्वारा राज्यसभा से डिप्टी लीडर पद से हटाए जाने के एक दिन बाद आज सांसद राघव चड्ढा ने सुबह 1 एक्स अकाउंट से एक वीडियो संदेश जारी किया है। इसमें उन्होंने कहा है- 'खामोश करवाया गया हूं, हारा नहीं हूं।' राघव ने अपने वीडियो में आम आदमी और आम आदमी पार्टी दोनों को ही संदेश दिया है। राघव ने कहा, जब भी मुझे संसद में बोलने का मौका मिलता है, तो मैं जनता के मुद्दे उठाता हूं। और शायद ऐसे मुद्दे जो संसद में आमतौर पर नहीं उठाए जाते।

राघव ने आगे कहा, क्या मैंने कुछ गलत किया है? आज मैं यह सवाल इसलिए पूछ रहा हूं क्योंकि आम आदमी पार्टी ने राज्यसभा सचिवालय को बता दिया है कि मुझे संसद में बोलने न दिया जाए। अब कोई मुझे क्यों रोकना चाहेगा? जब भी मैं इस देश की जनता की बात करता हूं, जैसे एयरपोर्ट पर महंगा खाना, डिलीवरी राइडर्स की जोमैटो-ब्लिंकिट से परेशानी, उनके खाने में चीजें मिलाना, टोल प्लाजा लूट, बैंक चार्जेस की लूट, कंटेंट क्रिएटर्स पर मिडिल क्लास का टैक्स बोझ, टेलीकॉम कंपनियां 12 महीने में 13 बार रिचार्ज करा सकती हैं, डेटा रोलओवर न दें, रिचार्ज खत्म होते ही इनकमिंग बंद कर दें, ये सारे मुद्दे मैंने सदन में उठाए।

आर्टेमिस-2 मिशन ने पार की पृथ्वी की कक्षा 54 साल बाद चंद्रमा की ओर बढ़ा मानव दल

फ्लोरिडा। नासा के आर्टेमिस-2 मिशन ने अंतरिक्ष अन्वेषण के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। इस मिशन का मानव दल सफलतापूर्वक पृथ्वी की कक्षा से बाहर निकलकर अब चंद्रमा की ओर अग्रसर हो चुका है। यह कदम मानवता की गहरे अंतरिक्ष में वापसी की दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव माना जा रहा है।

नासा के अनुसार, ओरियन अंतरिक्ष यान ने एक अहम ट्रांसलूनर इंजेक्शन बर्न को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। इस प्रक्रिया के तहत यान के मुख्य इंजन को लगभग छह मिनट तक चलाया गया, जिससे यह पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण प्रभाव से बाहर निकलकर चंद्रमा की ओर निर्धारित कक्षा में प्रवेश कर गया। इस दौरान करीब 6,000 पाउंड का थ्रस्ट उत्पन्न हुआ, जिसने यान को सटीक दिशा में आगे बढ़ाया।

यूएन में ड्रैगन का कड़ा विरोध

हमले की धमकी के बदले शांति-कूटनीति की राह चुनें

वॉशिंगटन, एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र में चीन के स्थायी प्रतिनिधि फू कोंग ने पश्चिम एशिया में किसी भी तरह की सैन्य कार्रवाई का कड़ा विरोध किया है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय संस्था को संबोधित करते हुए कहा कि सदस्य देशों को सैन्य कार्रवाई की अनुमति देना गलत होगा। उनके अनुसार, ऐसी अनुमति देना बल के अवैध और अंधाधुंध इस्तेमाल को कानूनी मान्यता देने जैसा है।

चीन का यह औपचारिक विरोध अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हालिया बयानों के जवाब में आया है। ट्रंप ने ईरान के खिलाफ सख्त लहजे का इस्तेमाल किया था। चाइना डेली के अनुसार, चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने इस स्थिति पर स्पष्टीकरण दिया। उन्होंने कहा कि सैन्य तरीके बुनियादी तौर पर किसी भी मुद्दे को हल नहीं कर सकते। माओ निंग ने जोर देकर कहा कि संघर्ष को और बढ़ाना किसी भी पक्ष के हित में नहीं है।

अमेरिका ने दी चेतावनी

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने चेतावनी दी है कि अमेरिका अगले दो से तीन हफ्तों के भीतर ईरान पर बहुत जोरदार हमला करने जा रहा है। इस बयान ने पश्चिम एशिया में तनाव और बढ़ा दिया है। ट्रंप का कहना है कि वाशिंगटन का यह सैन्य अभियान ईरान के खतरे को खत्म करने के करीब है।अपने संबोधन में ट्रंप ने कहा कि वे ईरान को वापस वापस भेज देंगे, क्योंकि वह वहीं रहने के लायक है। हालांकि, उन्होंने यह भी बताया कि इस सैन्य तनाव के बीच कूटनीतिक बातचीत भी चल रही है। ट्रंप ने साफ किया कि उनका लक्ष्य ईरान में सत्ता परिवर्तन करना नहीं था।

बातचीत का रास्ता अपनाने की सलाह

अमेरिकी राष्ट्रपति ने यह भी स्पष्ट किया कि जब तक अमेरिका के विशिष्ट लक्ष्य पूरे नहीं हो जाते, तब तक सैन्य अभियान जारी रहेंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि अमेरिका बहुत जल्द अपने सभी उद्देश्यों को पूरा करने की राह पर है। चीन ने इन धमकियों पर चिंता जताते हुए शांति और बातचीत का रास्ता अपनाने की सलाह दी है।

बैतूल-सारणी रोड पर जीप दीवार से टकराई, दो की मौत, चार लोग घायल

बैतूल। बैतूल-सारणी मार्ग पर गोठाना में गुरुवार रात जीप अनियंत्रित होकर मैरिज लान की दीवार से टकरा गई। इससे जीप में सवार दो युवकों की मौत हो गई जबकि चार गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार रात करीब 11:15 बजे जीपअनियंत्रित होकर सड़क किनारे स्थित मैरिज लॉन की दीवार से जा टकराई।

हादसे में बैतूल के अर्जुन नगर निवासी प्रफुल्ल अनिल ठोके (25) और पुनीत ठाकरे (25) की गंभीर चोट लगने से मौत हो गई।

महेश्वर पंचकोशी यात्रा: 20 हजार श्रद्धालु पहुंचे जलकोटी

खरगोन। पांच दिवसीय माहिष्मती नर्मदा पंचकोशी पदयात्रा अपने 40वें वर्ष में भी निरंतर जारी है। ढालखेड़ा (कसरावद) से करीब 20 हजार श्रद्धालुओं को नर्मदा नदी पार कराकर ग्राम जलकोटी पहुंचाया गया। माँ रेवा को पार कराने की व्यवस्था प्रात:काल से संध्या तक जारी रही। 10 नावों के माध्यम से निर्धारित संख्या में श्रद्धालुओं को सुरक्षित किनारे तक पहुंचाया गया। इस दौरान कसरावद और महेश्वर पुलिस प्रशासन पूरी मुस्तैदी से सुरक्षा व्यवस्था में तैनात रहा। प्रशासनिक अधिकारी भी सुबह से मौके पर मौजूद रहे, जिनमें एसडीएम, तहसीलदार कैलाश सस्तिया, सीएमओ प्रियंका पंडिया सहित ग्राम पंचायत के सरपंच-सचिव शामिल रहे। कल जलकोटी से लगभग 5 किलोमीटर की पदयात्रा कर श्रद्धालु अंतिम पड़ाव पवित्र नगरी महेश्वर के नर्मदा मंदिर घाट पहुंचें, जहां नर्मदा आरती और प्रसादी वितरण के बाद यात्रा का समापन हुआ।

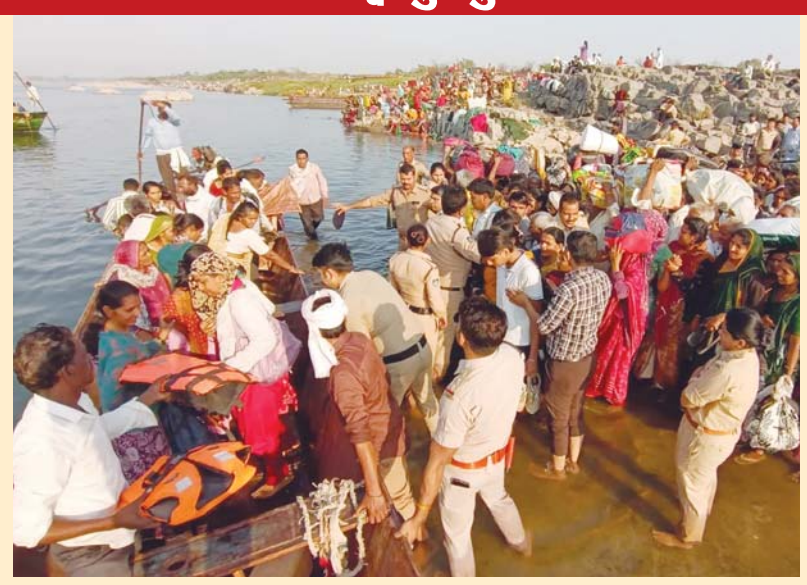

मेट्रो एंकर

दाम देख आवाम के छूटे पसीने, महंगाई तोड़ रही रिकॉर्ड

पाकिस्तान में त्राहिमाम: पेट्रोल 458, डीजल 500 के पार

इस्लामाबाद, एजेंसी

अमेरिका-इस्त्राइल और ईरान के बीच छिड़ी जंग के साथ वैश्विक तेल कीमतों में उछाल पाकिस्तान की जनता पर कहर बनकर टूट रहे हैं। दरअसल, पाकिस्तान की सरकार ने पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में अभूतपूर्व वृद्धि की घोषणा की है। पाकिस्तान में पेट्रोल की कीमत में 43 प्रतिशत और हाई-स्पीड डीजल में 55 प्रतिशत तक बढ़ोतरी की गई है, जो तुरंत लागू हो गई है।

नई दरों के तहत पेट्रोल की कीमत 137.23 रुपये प्रति लीटर बढ़कर 458.41 रुपये हो गई है, जबकि डीजल की कीमत 184.49 रुपये प्रति लीटर बढ़कर 520.35 रुपये प्रति लीटर हो गई है। इसके अलावा केरोसिन की कीमत में भी 34.08 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि की गई है।

बाजार होंगे जल्दी बंद

ऊर्जा बचत के तहत सरकार ने बाजारों को जल्दी बंद करने का निर्णय लिया है, जिससे लगभग 1,200 मेगावाट बिजली की बचत होने की उम्मीद है। इस संबंध में प्रांतों के साथ मिलकर नए समय तय किए जाएंगे।

सरकार ने डीजल की कीमतों के असर को सीमित करने के लिए पेट्रोलियम लेवी में बदलाव किया है। पेट्रोल पर लेवी बढ़ाकर 160 रुपये प्रति लीटर कर दी गई है, जबकि डीजल पर इसे शून्य कर दिया गया है।

पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक ने एक न्यूज चैनल पर कहा कि ये कठिन लेकिन जिम्मेदार फैसले व्यापक स्तर पर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, सैन्य नेतृत्व और प्रांतीय मुख्यमंत्रियों के साथ विचार-विमर्श के बाद लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि इस फैसले का मकसद जरूरतमंद वर्गों तक ही सब्सिडी सीमित रखना और आर्थिक स्थिरता बनाए रखना है।

इन लोगों को मिलेगी सब्सिडी

सरकार ने राहत उपायों के तहत दोपहिया वाहन चालकों को तीन महीने तक प्रति माह 20 लीटर तक 100 रुपये प्रति लीटर की सब्सिडी देने की घोषणा की है। छोटे किसानों को फसल के समय एक बार के लिए 1,500 रुपये प्रति एकड़ की सहायता मिलेगी। डीजल आधारित माल और यात्री परिवहन के लिए भी 100 रुपये प्रति लीटर की सब्सिडी दी जाएगी, जिसकी हर महीने समीक्षा होगी।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564